राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,27 मार्च-2023 वर्ष-6,अंक-61 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चों के इलाज से परेशान थे, पूरे परिवार ने जहर खाकर दे दी जान

हैदराबाद। हैदराबाद में बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक परिवार के चार लोगों ने खुदकुशी कर ली। इसमें पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं। बच्चों की उम्र 9 साल और पांच साल बताई गई है। पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच से ऐसा ही लगता है कि खुदकुशी की गई है। मृतकों के नाम सतीश, वेधा, निशिकेत और निहाल हैं। पुलिस को शनिवार की दोपहर में घटना की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दंपती ने खुदकुशी के लिए पोटेशियम साइनाइड जैसे तेज जहर का इस्तेमाल किया था। उनके दोनों बच्चे मानसिक दिव्यांग थे। बताया जा रहा है कि अस्पताल के चक्कर लगाकर परेशान थे लेकिन कोई भी पॉजिटिव रिजल्ट नहीं मिल रहा था। उनके बच्चे ठीक नहीं हो रहे थे। कुशाइगुडा थाने के इंस्पेक्टर पी वेंकटेशवारलू ने कहा, पता चला है कि दोनों ही बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें थीं। इलाज के बावजूद उन दोनों में कोई सुधार नहीं हो रहा था। परेशान होकर दंपती ने खुद भी जान दी और बच्चों को भी मौत के हवाले कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है एक दिन पहले ही चारों क मौत हुई थी लेक पुलिस को अगले दिन दोपहर में जानकारी मिली। बता दें कि इसी महीने पुणे में एक ऐसी ही घटना हुई थी। यहां 44 साल के एक आईटी प्रोफेशनल ने अपनी 40 साल की पत्नी और 8 साल के बच्चे के साथ खुदकुशी कर ली थी।

'मन की बात' में पीएम मोदी बोले-

देश के लोगों में 100वें एपिसोड को लेकर काफी उत्साह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज यानी 26 मार्च को मन की बात के 99वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि ÷मेरे प्यारे देशवासियो, 'मन की बात' में आप सभी का एक बार फिर बहुत-बहुत स्वागत है 7 आज इस चर्चा को शुरू करते हुए मन-मस्तिष्क में कितने ही भाव उमड़ रहे हैं 7 हमारा और आपका 'मन की बात' का ये साथ, अपने निन्यानवें (99वें) पायदान पर आ पहुंचा है।

लोगों में 100वें एपिसोड को लेकर काफी उत्साह

प्रधानमंत्री ने कहा, जहां भारत के जन-जन के 'मन की बात' हो, वहां की प्रेरणा ही कुछ और होती है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि मन की बात के सौवें एपिसोड को लेकर देश के लोगों में बहुत उत्साह है।

मुझे बहुत सारे सन्देश मिल रहे हैं, फोन आ रहे हैं। आज जब हम आजादी का अमृतकाल मना रहे हैं, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तो सौवें मन की बात को लेकर आपके सुझावों और विचारों को जानने के लिए मैं भी बहुत उत्सुक हूं। मुझे आपके ऐसे सुझावों का बेसब्री से इंतजार है। वैसे तो इंतजार हमेशा होता है, लेकिन इस बार जरा इंतजार ज्यादा है। आपके ये सुझाव और विचार ही 30 अप्रैल को होने वाले सौवें मन की बात को और यादगार बनाएंगे।

हर महीने के आखिरी रविवार को प्रसारित होता है मन की बात-मन की बात कार्यक्रम हर महीने के आखिरी रविवार को सुबह 11 बजे प्रसारित होता है। इस कार्यक्रम के जरिए पीएम मोदी देशवासियों से संवाद करते हैं। मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत तीन अक्टूबर 2014 को विजयादशमी के दिन हुई थी। पिछली बार 26 फरवरी को कार्यक्रम के 98वें एपिसोड को पीएम मोदी ने संबोधित किया था। कार्यक्रम का प्रसारम ऑल इंडिया रेडिया पर किया जाता है।

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को राजघाट पर 'सत्याग्रह' करने की अनुमति नहीं दी

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ राजघाट पर 'सत्याग्रह' करने की अनुमति नहीं दी। दिल्ली पुलिस ने एक पत्र में कहा कि कानून-व्यवस्था एवं यातायात संबंधी कारणों से इस अनुरोध को खारिज किया गया और राजघाट में एवं इसके आसपास दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सत्याग्रह की अनुमति नहीं दी गई है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। इससे पहले, कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के विरोध में रविवार को सभी राज्यों और जिला मुख्यालयों में महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के सामने एकदिवसीय सत्याग्रह करने की घोषणा की थी। केरल की वायनाड सीट से लोकसभा सदस्य राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत द्वारा 2019 के मानहानि के एक मामले में दो साल जेल की सजा सुनाये जाने के मद्देनजर शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उनका अयोग्यता संबंधी आदेश 23 मार्च से प्रभावी होगा। उल्लेखनीय है कि सूरत की एक अदालत ने यह फैसला 'मोदी उपनाम' संबंधी टिप्पणी को लेकर दिया था।

ISRO ने 36 सैटेलाइट के साथ भारत का सबसे बड़ा LVM3 रॉकेट किया लॉन्च

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने 36 उपग्रहों को ले जाने वाला भारत का सबसे बड़ा LVM 3 रॉकेट श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया है।

सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 9 बजे किया लॉन्च-बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने 36 उपग्रहों को ले जाने वाला भारत का सबसे बड़ा LVM3 रॉकेट लॉन्च किया है। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 9 बजे लॉन्च किया गया है।

क्या है LVM3 रॉकेट-एलवीएम3-एम3 इसरो का भारी लिफ्ट रॉकेट है। वनवेब को भारत की दूरसंचार प्रमुख भारती समूह का समर्थन प्राप्त है और आज उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण के साथ कंपनी अपने जनरल 1 समूह के वैश्विक पदचिह्न को पूरा कर लेगी। वनवेब के पास अब कक्षा में 582 उपग्रह हैं। आज ये संख्या 618 तक जाने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा था कि समूह को पूरा करके वनवेब भारत सहित वैश्विक कवरेज प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

36 उपग्रहों का पहला बैच 2022 में किया गया था लॉन्च-बता दें कि 36 उपग्रहों का पहला बैच 23 अक्टूबर 2022 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा रॉकेट पोर्ट से एलवीएम3 रॉकेट के साथ लॉन्च किया गया था, जिसे पहले जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल एमके3 (जीएसएलवी

एमके3) के नाम से जाना जाता था। वनवेब के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने पिछले साल अक्टूबर में कहा था कि इसरो की वाणिज्यिक शाखा, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के लॉन्च शुल्क के लिए दो चरणों में 72 उपग्रहों को लॉन्च करने के लिए वनवेब के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

कर्नाटक चुनाव से पहले बीजेपी की कोशिश, येदियुरप्पा के जरिए लिंगायत वोट बैंक को रिझाने के प्रयास जारी

बेंगलुरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा को विधानसभा चुनावों से पहले उन्हें नई दिल्ली में कोर टीम में शामिल किया है और उनसे कहा है कि वो लिंगायत समुदाय से अपील करे कि वे उन्हें सत्ता से हटाने के लिए भाजपा के प्रति कोई कटु भावना न रखें।

पीएम और गृह मंत्री ने की प्रशंसा

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह खुले तौर पर येदियुरप्पा की प्रशंसा की और उनके साथ अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की। सूत्रों ने कहा कि भगवा पार्टी समझ गई है कि राज्य में एक और जन नेता बनाने में उनकी पार्टी असमर्थ है। उनका मानना हैं कि येदियुरप्पा को पार्टी द्वारा लगाई गई फटकार ने लिंगायत समुदाय को नाराज कर दिया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक ने भाजपा पर साधा निशाना

उत्तर कर्नाटक के कुष्टगी से कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक अमरेगौड़ा पाटिल ने मीडिया से कहा कि भाजपा के लिए इस समय खोई हुई जमीन वापस पाना असंभव है। उन्होंने कहा, बीजेपी ने येदियुरप्पा को खत्म कर दिया है, उन्होंने बेहद दुख के साथ इस्तीफा दिया था। एक विधायक के रूप में, मैं कह सकता हूं कि बीजेपी में किसी अन्य नेता के साथ ऐसा दुर्व्यवहार नहीं किया गया था। अब, वे उनके साथ वापस आ गए हैं और दावा कर रहे हैं कि वह उनके नेता हैं।

पाटिल ने कहा, येदियुरप्पा को प्रोजेक्ट किए जाने से लिंगायत समुदाय द्वारा भाजपा को वोट देने का कोई सवाल ही नहीं है। वे कैसे मतदान कर सकते हैं? उन्हें रोने के लिए मजबूर किया गया और नीचे उतरने के लिए कहा गया। लोग अतीत को लेकर अब भी गुस्से में हैं।

राज्य में लिंगायत समुदाय की बड़ी संख्या

80 वर्षीय येदियुरप्पा भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोपी येदियुरप्पा 80 साल की उम्र में भी लिंगायत समुदाय के निर्विवाद नेता हैं। कर्नाटक में भाजपा लिंगायत समुदाय उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जनसंख्या का 17 प्रतिशत है। लिंगायत पूरे राज्य में फैले हुए हैं और दक्षिण कर्नाटक के कई जिलों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। येदियुरप्पा ने कर्नाटक में पार्टी को शून्य से खड़ा किया था।

अब तक 1.30 लाख श्रद्धालुओं ने किया मां वैष्णो देवी दरबार में नमन

कटड़ा। पहले 4 चैत्र नवरात्रों में अब तक 1.30 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी दरबार पर नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। हालांकि, शनिवार को बारिश के कारण यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की संख्या में कुछ कमी देखने को मिली परंतु बारिश के बीच भी श्रद्धालु मां भगवती के जयकारे लगाते यात्रा मार्ग पर आगे बढ़ते नजर आए। 1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर व्हाट्सएप करें वैष्णो देवी भवन से मिली जानकारी के अनुसार मौसम में आए बदलाव के चलते भवन क्षेत्र में कुछ हद तक ठिठुरन महसूस की गई। वहीं बारिश के चलते हेलीकॉप्टर सेवा में भी रुकावट आई है। पंजीकरण कक्ष से मिले आंकड़ों के अनुसार पहले नवरात्रे पर 33,850, दूसरे नवरात्रे पर 32,678 श्रद्धालुओं द्वारा वैष्णो देवी भवन में नमन कर मां भगवती से आशीर्वाद प्राप्त किया गया। वहीं शुक्रवार को

33,400 श्रद्धालुओं ने मां भगवती के दरबार में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी तरह खबर लिखे जाने तक 32000 के करीब श्रद्धालुओं ने यात्रा पंजीकरण आर.एफ .आई.डी. हासिल कर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान कर लिया। दर्शनों को आए श्रद्धालु सुंदर सिंह, ईश्वर सिंह, राकेश कुमार ने बताया कि पहले से तय प्लान के तहत उन्होंने हेलीकॉप्टर की बुकिंग करवाकर वैष्णो देवी में नमन का प्लान बनाया था, परंतु बारिश के चलते उन्हें काफी देर हैलीपैड पर मौसम साफ होने का इंतजार करना पड़ा। उन्होंने बताया कि दोपहर को मौसम साफ होने के बाद ही हेलीकॉप्टर से भवन पहुंचे।

एम्स में बुजुर्गों को मिलेगी खास सौगात, जेरियाट्रिक ब्लॉक से 60 पार वालों को मिलेंगी ये खास सुविधाएं

नई दिल्ली। एम्स अस्पताल में बुजुर्गों के इलाज के लिए 200 बिस्तरों वाला जेरियाट्रिक ब्लॉक मंगलवार से शुरू हो सकता है। 60 साल से अधिक आयु वालों के लिए इस ब्लॉक में पहले ओपीडी शुरू होगी। वहीं, 28 मार्च से ही इसी ब्लॉक में रक्त नमूने लेने की सुविधा भी मिलने लगेगी। एम्स अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नए ब्लॉक में रेडियोलोजी की जांच जैसे एक्सरे और अल्ट्रासाउंड आदि की सुविधा भी शुरू हो जाएगी। हालांकि, 200 बेड के इस अस्पताल में मरीज भर्ती करने की प्रक्रिया शुरू होने में अभी समय लगेगा।

एक छत के नीचे तमाम सुविधाएं- एम्स प्रशासन के मुताबिक,

नए ब्लॉक में जेरियाट्रिक मेडिसिन के अलावा कार्डियोलाजी, ऑर्थोपेडिक्स, फिजिकल मेडिकल रिहैबिलिटेशन (पीएमआर), मनोचिकित्सा, सर्जरी, यूरोलॉजी, रेडियोलॉजी आदि विभागों के डॉक्टर नियुक्त किए गए हैं, इसलिए बुजुर्गों को एक छत के नीचे जांच और इलाज की पूरी सुविधा मिल पाएगी।

2018 में काम शुरू हुआ- जून 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ब्लॉक के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था। करीब 330 करोड़ की लागत से फरवरी 2020 में इसका निर्माण पूरा होना था। कोरोना महामारी के कारण निर्माण में देरी हुई थी। इसमें 200 बेड की सुविधा होगी, जिसमें 20 आइसीयू बेड व 20 प्राइवेट वार्ड भी शामिल होंगे। इस ब्लॉक के शुरू होने से एम्स इमरजेंसी में मरीजों का भार कम हो सकता है। एम्स दिल्ली में नए विश्राम सदन का निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। इस विश्राम सदन में एक हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था होगी। शुक्रवार को एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश आदर्श कुमार की मौजूदगी में भूमि पूजन किया गया। इस विश्राम सदन का निर्माण धानुका समूह कर रहा है। यह विश्राम सदन 80 मीटर लंबा और इतना ही चौड़ा होगा। इसे एम्स के कम्युनिटी सेंटर के पास बनाया जा रहा है। विश्राम सदन में मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए एक बड़ी कैंटीन, बाथरूम, एसी और पीने का पानी की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी। एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने इस मौके पर कहा कि इलाज के इंतजार मरीजों के लिए काफी फायदेमंद रहेगा। दरअसल, अभी भी एम्स में आने वाले मरीजों को बारिश और धूप में खुले में देखा जा सकता है। इस विश्राम सदन को चार महीने के अंदर शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके पर धानुका समूह के चेयरमैन आरजी अग्रवाल भी मौजूद रहे।

इस पेड़ की सुरक्षा में सरकार ने खर्च किए 64 लाख, 24 घंटे पहरा देती है पुलिस; गजब का ऐतिहासिक कनेक्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश के सांची में बोधि वृक्ष की सुरक्षा में सरकार ने 64 लाख खर्च कर दिए। दरअसल इस पेड़ का ऐतिहासिक महत्व बहुत ज्यादा है और इसकी हिस्ट्री ढ़ाई हजार साल पुरानी है। 24 घंटे वर्दीधारी हथियारबंद पुलिस पेड़ की सुरक्षा करती है। हालिया पेड़ कीड़ों के चलते प्रभावित हो रहा है। ऐसे में इस पेड़ को बचाने की कवायद तेज हो गयी है। इस पेड़ का इतिहास शुरू होता है 2500 साल पहले। महात्मा बुद्ध को बोधगया में वटवृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जिसके बाद हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी वटवृक्ष का महत्व बढ़ गया था। बौद्ध अनुयायी इस पेड़ की पूजा अर्चना करने लगे थे और ज्यादातर बौद्ध स्थलों पर इस पेड़ को लगाया जाने लगा था। तकरीबन 269 ईसा पूर्व में अशोक के बौद्ध धर्म अपनाने के बाद सांची में स्तूप बना और बौद्ध धर्म के विश्वव्यापी प्रचार प्रसार ने जोर पकड़ा। अशोक ने अपने दूत श्रीलंका भेजे। ऐतिहासिक जानकारी के अनुसार सांची में लगे वट की शाखा को भी अशोक ने श्रीलंका भेजा था। कई ऐतिहासिक स्त्रोतों में जानकारी मिलती है कि इससे पहले अशोक इस जगह पर एक धार्मिक स्थल की

स्थापना कर चुके थे और इस वृक्ष की पूजा भी शुरू हो चुकी थी। अशोक ने श्रीलंका के राजा देवानामपिय तिस्स को इस बोधि वृक्ष की शाखा भेजी थी। श्रीलंका के राजा ने इस शाखा को अपनी राजधानी औरंधापुरा में लगाया।

साल 2012 में श्रीलंका के राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे भारत आए। राजपक्षे अपने साथ ऐतिहासिक वटवृक्ष की छाया में पनपने वाले पेड़ की शाखा लेकर आए। मन जाता है कि राजपक्षे जो शाखा लेकर आए थे, वो अशोक के उपहार के बोधिवृक्ष के वंशानुक्रम का ही पेड़ था। उस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में सलामतपुर में उन्होंने ये पेड़ लगाया। जिसके बाद इस पेड़ की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई। राज्य ने अब तक पेड़ की रखवाली और पानी पर 64 लाख रुपये खर्च किए हैं। पेड़ के पास 24 घंटे चार होमगार्ड तैनात रहते हैं। बोधिवृक्ष को अब लीफ कैटरपिलर नामक कीट ने संक्रमित कर दिया है। पेड़ की पत्तियां सूख रही हैं। इस पर सुरक्षा कर्मचारियों का कहना है कि उद्यान विभाग ने पेड़ पर कीट के हमले के इलाज के लिए कोई उपाय नहीं अपनाया है। महत्वपूर्ण पेड़ होने के बावजूद अब धीरे-धीरे पत्तियां भी सूख रही हैं और पेड़ के तने में कीट लग रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मुंहतोड़ जवाब जरूरी

नासमझ अलगाववाद ने फिर एक बार अपनी नकारात्मकता का परिचय दिया है। कनाडा के ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में सिटी हॉल के पास स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को खालिस्तान समर्थकों ने बदरंग कर दिया। लाठी की जगह अलगाववाद का झंडा लगा दिया गया। यह प्रतिमा यहां साल 2012 से स्थापित है। इसे भारत सरकार ने कनाडा सरकार को उपहार स्वरूप दिया था। यह बेहद दुखद और निंदनीय है कि कनाडा पुलिस या सरकार वहां भारतीय प्रतीकों की रक्षा नहीं कर पा रही है। भारत सरकार को बहुत कड़े शब्दों में आपत्ति जतानी चाहिए और भारत विरोधी प्रदर्शनों के प्रति चंद विदेशी सरकारों की उदारता पर सुनियोजित प्रहार करना चाहिए। उस शहर के अधिकारियों ने प्रतिमा और वहां मौजूद भित्तिचित्र को साफ करने के लिए तेजी से काम किया है, लेकिन इतना ही पर्याप्त नहीं है। पुलिस को उपद्रवियों को पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। चूंकि वहां की पुलिस पर्याप्त कड़ाई नहीं बरत रही है, इसलिए ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आ रही हैं। अभी लोग भूले नहीं हैं, फरवरी में ही कनाडा के ग्रेटर टोरंटो एरिया में एक हिंदू मंदिर को अपवित्र किया गया था। वहां दीवार पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक चित्र व शब्द पेंट किए गए थे। एकाधिक बार मंदिरों का निशाना बनाना यह साफ बताता है कि उपद्रवियों में धर्म या अपने धर्म की भी बहुत सीमित या संकीर्ण समझ है। सिख पंथ उदारता और समन्वय को समर्पित है, लेकिन यहां अगर देव या मंदिर के अपमान की परिपाटी चल रही है, तो भटकाव को सहज ही समझा जा सकता है। भटके हुए लोगों को यह पता नहीं है कि अलगाववाद के उन्माद में वह किनका अपमान कर रहे हैं। महात्मा गांधी के विरोध का तो वैसे भी कोई कारण नहीं बनता है। अगर उन पर केवल इसलिए हमला किया गया है, क्योंकि वह भारत में राष्ट्रपिता कहलाते हैं, तो इसके पीछे कुत्सित राजनीति ही है। सत्य, प्रेम और अहिंसा के पुजारी को अगर निशाना बनाया जा सकता है, तो यह सोचने वाली बात है कि निशाना बनाने वाले किस मंशा के लोग हैं। गौर करने की बात है कि रिचमंड हिल के विष्णु मंदिर में स्थित महात्मा गांधी की एक प्रतिमा को पिछले साल जुलाई में बदरंग किया गया था। मगर इतने हमलों के बाद भी कनाडा में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, अमेरिका में इस तरह के हिंसक प्रदर्शन भारत सरकार के लिए गंभीर विषय हैं। ये ऐसे देश हैं, जो भारत से अपनी मित्रता की अक्सर दुहाई देते हैं और भारत से पूरे लाभ भी लेते हैं, लेकिन भारत की हित-चिंता के प्रति उनकी उदासीनता अलग से विचारणीय है। बेशक, खालिस्तान समर्थकों की संख्या बहुत कम है, पर इसका मतलब यह नहीं कि उनके भारत विरोधी प्रदर्शनों के प्रति नरमी बरती जाए। भारत को तोड़ने का सपना नया नहीं है, लेकिन 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी' के अंदाज में भारत ने हमेशा मुकाबला किया है। अनगिनत प्रमाण हैं कि भारत विरोध के प्रचार-प्रसार में पाकिस्तानी प्रतिष्ठान खुलकर लगा हुआ है। जो लोग भारत को तोड़ने में लगे हैं, वही लोग संयुक्त राष्ट्र में बार-बार बेशर्मी से कश्मीर मुद्दा उठा रहे हैं।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

विलुप्त जीवों को फिर जीवित करने की पहल

मुकुल व्यास

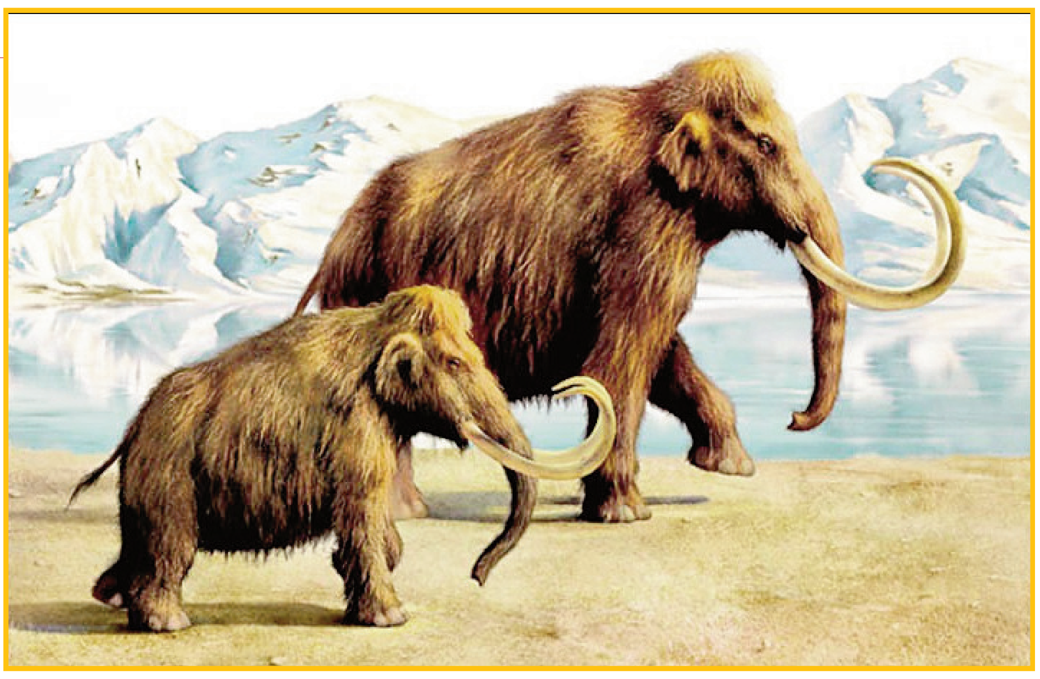

वैज्ञानिक काफी समय से डोडो और ऊनी मैमथ जैसे विलुप्त हो चुके जीवों को फिर से जीवित करने की योजना बना रहे हैं। कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक अमेरिकी कंपनी ने डोडो और अन्य विलुप्त प्रजातियों को पुनर्जीवित करने की परियोजना के लिए 14 करोड़ डॉलर से अधिक राशि जुटाई है। ध्यान रहे कि डोडो पक्षी मॉरीशस में पाए जाते थे। कबूतर जैसा यह पक्षी उड़ान नहीं भर सकता था। द्वीपों पर पाए जाने वाले कई उड़ान रहित पक्षियों की तरह डोडो बंदरों और बिल्लियों के शिकार बने जिन्हें लोगों के प्रवासन के माध्यम से लाया गया था। यह पक्षी 1600 के मध्य दशक में विलुप्त हो गया। एक बार उम्मीद जगी थी कि क्लोनिंग तकनीक कुछ विलुप्त प्रजातियों को पुनर्जीवित कर सकती है। साइबेरिया के परमाफ्रॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) में जमे हुए मैमथ पाए जाने के बाद वैज्ञानिक काफी उत्साहित हो गए थे। लेकिन बाद में पता चला कि उनके जीन बहुत खंडित थे। हाल के वर्षों में डीएनए को क्रमबद्ध करने में भारी प्रगति हुई है जिसकी वजह से वैज्ञानिक काफी समय पहले विलुप्त हो चुके जीवों का आनुवंशिक कोड स्थापित करने में सक्षम हो गए हैं। तस्मानियाई बाघ, पैसेंजर पिजन (एक तरह का जंगली कबूतर) और ग्रेट औक (उड़ान-रहित पक्षी) एक सदी पहले विलुप्त हो गए थे। इनके जीनों को क्रमबद्ध किया जा चुका है। इसी तरह कुछ हजार साल पहले विलुप्त हो चुके हाथी के रिश्तेदार ऊनी मैमथ के जीनों को भी क्रमबद्ध किया जा चुका है। सबसे बड़ा आश्चर्य उस समय हुआ जब 1997 में एक स्वीडिश वैज्ञानिक ने निएंडरथल मानव के डीएनए का नक्शा बनाने में कामयाबी हासिल की जो 40,000 से अधिक वर्ष पहले विलुप्त हो चुका था। पिछले साल डोडो के आनुवंशिक कोड को समझने में कामयाबी मिली। जुरासिक पार्क फिल्म दिखाए दृश्यों के सजीव होने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि करोड़ों वर्षों पहले मृत हो चुके डायनासोरों के जीवाश्म दुर्लभ हैं और उनकी आनुवंशिक सामग्री बहुत पहले ही बिखर चुकी है। पेड़ों के तनों की गोंद (एम्बर) में कैद में मच्छरों से डायनासोरों के जीन निकालना एक साइंस फिक्शन फिल्म के लिए एक अच्छा प्लॉट बन सकता है लेकिन व्यवहार में यह काम नहीं कर सकता। हालांकि डोडो के मामले में आनुवंशिकी कुछ आसान दिखती है। विलुप्त प्रजातियों के पुनर्जन्म से पहले वैज्ञानिकों को तीन और छलांगें लगानी होंगी। ये सभी वर्तमान में असंभव हैं लेकिन भविष्य में यह संभव हो सकता है। सबसे पहले वैज्ञानिकों को विलुप्त प्रजाति के जीवित रिश्तेदार की कोशिका के जीनों को संपादित करने में सक्षम होना पड़ेगा ताकि उन्हें विलुप्त प्रजातियों के समान बनाया जा सके। डोडो के लिए निकटतम चचेरा भाई निकोबार कबूतर है और मैमथ भारतीय हाथी का निकटतम रिश्तेदार है। 2012 में जीन संपादन के आविष्कार के बाद विलुप्त जीवों को फिर से जिंदा करने की बात अब साइंस फिक्शन नहीं रह गई है। लेकिन वर्तमान जीन संपादन तकनीक एक कबूतर के जीनोम (एक कोशिका में पाए जाने वाले डीएनए का पूरा सेट) से एक डोडो जीनोम बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सटीक रूप से काम नहीं कर सकती क्योंकि इसके लिए लाखों तरह के छोटे-मोटे बदलाव की आवश्यकता होती है। फिर भी प्रौद्योगिकी तेजी से आगे बढ़ रही है और एक दशक के भीतर कबूतर कोशिका में डोडो के समस्त जीनों को फिट करना संभव हो सकता है। अगला कदम उस कोशिका को एक पक्षी में बदलना होगा। कुछ साल पहले यह भी असंभव लगता था। स्कॉटलैंड के रोसलिन इंस्टिट्यूट के वैज्ञानिकों ने एक बत्तख के भ्रूण में मुर्गे की कोशिकाओं को प्रत्यारोपित करने का तरीका खोजा है। एक दिन घरेलू कबूतरों का एक नर और मादा का सेट डोडो के शुक्राणु और डोडो के अंडे पैदा करने में सक्षम हो जाएगा। दोनों मिलकर एक संपूर्ण डोडो को जन्म देंगे। मैमथ को फिर से जीवित करना अधिक कठिन होगा क्योंकि मैमथ भ्रूण को प्रत्यारोपित करने के लिए उपयुक्त गर्भ खोजना होगा क्योंकि भारतीय हाथी बाहरी भ्रूणों को अस्वीकार कर देंगे। कोलोसल कंपनी का कहना है कि वह एक कृत्रिम गर्भ बनाने की योजना बना रही है लेकिन यह कार्य इतना आसान नहीं होगा। इस प्रक्रिया के अगले कदम के रूप में कुछ स्वस्थ नए नमूनों को पालना होगा। उन्हें प्रजनन के लिए तैयार करना होगा और आनुवंशिक रूप से विविध आबादी उत्पन्न करनी होगी जो जंगल की परिस्थितियों में जीवित रह सके। इस प्रयोग में कुछ चीजें गलत भी हो सकती हैं। उदाहरण के लिए जीन संपादन के दौरान एक छोटी सी गलती होने पर विलुप्त प्रजाति के शुरुआती जानवर भयानक रूप से विकृत हो सकते हैं। विलुप्त जीवों को फिर से जिंदा करने की योजना कई सवाल खड़े करती है। क्या ऐसा किया जा सकता है? क्या यह सुरक्षित रहेगा और क्या यह नैतिक है? लेकिन जहां तक विलुप्त जीवों को पुनर्जीवित किए जाने के खिलाफ नैतिक आपत्तियों की बात है तो उनमें से कई निराधार निकलीं। वास्तव में हम निश्चिंत हो सकते हैं कि एक विलुप्त प्रजाति अपने साथ नई बीमारियां वापस नहीं लाएगी। हालांकि, परमाफ्रॉस्ट में मिले मैमथ हाथियों के अवशेष अनेक प्रकार के रोगाणुओं को संरक्षित कर सकते हैं। इनसे खतरा हो सकता है लेकिन नवजात जानवर कोई जोखिम उत्पन्न नहीं करते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि जानवर किसी कारण से विलुप्त हो जाते हैं इसलिए बेहतर है कि उन्हें विलुप्त ही रहने दिया जाए। लेकिन इस 'कारण' के पीछे ज्यादातर मनुष्य का लालच रहा है।

उसने ग्रेट औक्स पक्षी को तकिए की भराई में बदल दिया। मनुष्य की लापरवाही भी एक बड़ा कारण है। जिन जानवरों ने डोडो को मार डाला, वे लोगों द्वारा ही मॉरीशस लाए गए थे। जब मैमथ की बात आती है तो कुछ लोग तर्क देते हैं कि उनके नुकसान ने साइबेरिया की पारिस्थितिकी को बदल दिया। उपजाऊ घास के मैदान देवदार के अनुपजाऊ जंगल में बदल गए। उन घास के मैदानों को फिर से बनाना स्तनपायी और पक्षियों की अन्य प्रजातियों के लिए अच्छी खबर होगी। वैसे मैमथ आज के अफ्रीकी हाथियों की तुलना में अधिक डरावने या खतरनाक नहीं होंगे। फिर भी हमें सावधानी से चलने की जरूरत है। विलुप्त जानवरों को पुनर्जीवित करने की कोशिश जैव प्रौद्योगिकी सख्त नियमों के अधीन होनी चाहिए।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

(27 मार्च) विश्व रंगमंच दिवस

(लेखक- विद्याचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

नाटक, नौटंकी, रंगमंच, थियेटरज!!! जो जी चाहे कह सकते हैं। यह मनोरंजन का सबसे पुराना माध्यम है। खासकर, भारत की बात करें तो, आप जानते ही हैं कि, हम लोग मनोरंजन के लिए कितने क्रेजी हैं। मगर पहले सिनेमा नहीं होता था, एंटरटेनमेंट के लिए लोगों के पास थियेटर ऑप्शन था। हमारे पूर्वजों के समय से आजतक ये थियेटर अपना दबदबा बनाए हुए है। इतना ही नहीं आज ओटीटी या फ़िल्मी पर्दे पर नसीरूद्दीन शाह, पंकज त्रिपाठी, मनोज बाजपेयी, नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी जैसे एक्टर्स को देख रहे हैं वो भी थियेटर की दुनिया से ही आये हैं। ऐसे में हम भला विर्ल्ड थियेटर डे को कैसे भूल सकते हैं।

इतिहास

एंटरटेनमेंट के नज़रिए से पूरी दुनिया में विश्व रंगमंच दिवस का अपना अलग ही स्थान है। हर साल

27 मार्च को, विश्व रंगमंच दिवस का आयोजन किया जाता है। पूरी दुनिया में रंगमंच (थिएटर) को अपनी अलग पहचान दिलाने के लिए वर्ष 1961 में अंतरराष्ट्रीय रंगमंच संस्थान ने 27 मार्च के दिन विश्व रंगमंच दिवस मनाने की नींव रखी। इस दिन पूरी दुनिया के कई देशों में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रंगमंच से जुड़े कलाकार अलग-अलग समारोह का आयोजन करते है।

विश्व रंगमंच दिवस को मनाने के लिए हर साल इंटरनेशनल थिएटर इंस्टिट्यूट की ओर से एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाता है। जिसमें दुनियाभर से किसी एक रंगमंच के कलाकार को सेलेक्ट किया जाता है, जो वर्ल्ड थिएटर डे के दिन एक स्पेशल मैसेज को सबके सामने रखता है। इसके बाद इस मैसेज को लगभग 50 से अधिक भाषाओं में ट्रांसलेट करके दुनिया भर के न्यूज़ अख़बारों में छापा जाता है।

क्यों मनाया जाता है?

विश्व रंगमंच दिवस का उद्देश्य, पूरी दुनिया के समाज और लोगों को रंगमंच की संस्कृति के विषय में बताना, रंगमंच के विचारों के महत्व को समझाना, रंगमंच संस्कृति के प्रति लोगों में दिलचस्पी पैदा करना और इससे जुड़े लोगो को सम्मानित करना है। इसके अलावा विश्व रंगमंच दिवस मनाने कुछ अन्य उद्देश्य ये है: जैसे कि, दुनिया भर में रंगमंच को बढ़ावा देने, लोगों को रंगमंच की जरूरतों और इम्पोर्टेंस से अवगत कराना, रंगमंच का आनंद उठाया और इस रंगमंच के आनंद को दूसरों के साथ शेयर करना, आदि।

भारत की पहली नाट्यशाला और रंगमंच का इतिहास

कहा जाता है कि, भारत के महान कवि कालिदास जी ने भारत की पहली नाट्यशाला में ही 'मेघदूत' की रचना कि थी। भारत की पहली नाट्यशाला अंबिकापुर जिले के रामगढ़ पहाड़ पर स्थित है, जिसका निर्माण कवि कालिदास जी ने ही किया था। भारत में रंगमंच का इतिहास आज का नहीं बल्कि सहस्त्रों साल पुराना है। आप इसके प्राचीनता को कुछ इस तरह से समझ सकते हैं कि, पुराणों में भी रंगमंच का उल्लेख यम, यामी और उर्वशी के रूप में देखने को मिलता है। इनके संवादों से ही प्रेरित होकर कलाकारों ने नाटकों की रचना शुरू की। जिसके बाद से नाट्यकला (ड्रामा) का विकास हुआ और भारतीय नाट्यकला को शास्त्रीय रूप देने का कार्य भरतमुनि जी ने किया था।

रंगमंच का महत्व

वर्तमान में थिएटर या रंगमंच दुनिया के तमाम रहस्यों व घटनाओं को हमारे सामने लेकर आते है, जिनमें कई फ़िल्में, डॉक्यूमेंट्री, वेब सीरीज एवं टीवी सीरियल्स शामिल हैं। सच्ची और नाटकीय घटनाओं को रंगमंच के जरिए जीवित करने का बेहतरीन जरिया है रंगमंच। जो इसके इम्पोर्टेंस को बढ़ाने का काम कर रहा है। बीते 10 सालों में रंगमंच की एक अलग ही पहचान बनी है, जिस वजह से समाज आज रंगमंच का बड़ा सम्मान करते हैं।

आज भारत में भी साइंस फ़िक्शन पर बनी फ़िल्मों की भरमार है, साथ ही कई फ़िल्में ऐसी भी है जो, विश्व स्तर पर भारत को प्राउड फील करा रही है। तो वहीं 1957 में 'मदर इंडिया', 1988 में 'सलाम बॉम्बे', 2001 में 'लगान' और 2008 की 'स्लमडॉग मिलियनेयर' जैसे फ़िल्म ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुई और जीत भी दर्ज की थी। भारत और दुनिया भर में फैले कोरोना वायरस संकट के दौरान फ़िल्म जगत और थिएटर से जुड़े लोगों ने भी इस महामारी से निपटने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विचार मंथन

समय से बड़ा बलवान कोई नहीं

(लेखक- सनत जैन)

राहुल गांधी की सदस्यता संसद से खत्म हो गई। भारतीय जनता पार्टी पिछले एक माह से काफी प्रयास कर रही थी। पहले संसद के अंदर उनकी सदस्यता को समाप्त करने के प्रयास हुए। किंतु उसके बाद एक आसान तरीका समझ में आया,कि कोर्ट के माध्यम से यदि उनकी सदस्यता समाप्त होती है। तो सरकार और भाजपा को कोई राजनीतिक नुकसान नहीं होगा। सूरत की न्यायालय में मानहानि का मामला चल रहा था। गुजरात के मानहानि मामले मे राहुल गांधी की सदस्यता को समाप्त करने की रणनीति तैयार की गई। इस रणनीति में सफलता मिली। कोर्ट से सजा मिलने के साथ ही आनन-फानन में राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त कर दी गई। जैसा भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों ने सोचा था। वैसी सफलता पाने में वह सफल रहे। समय से बड़ा बलवान कोई होता नहीं है। जब समय अच्छा होता है। तब सारी चीजें अच्छी ही अच्छी होती हैं। लेकिन जब समय खराब चल रहा हो,तो उस समय अच्छी चीजें भी खराब हो जाती हैं। यही हाल सूरत के न्यायालय द्वारा मानहानि वाले मामले मे हुआ। राहुल गांधी को कोर्ट ने 2 साल की सजा सुनाई। कोर्ट के आदेश के आधार पर संसद से उनकी सदस्यता आनन-फानन में निरस्त कर दी गई। भाजपा को भरोसा था, कि न्यायालय के आदेश पर सदस्यता खत्म करने के कारण, कांग्रेस और राहुल गांधी दबाव में आएंगे। विपक्ष पर दबाव बढ़ेगा। इससे अडानी वाले मामले को ठंडा किया जा सकेगा। निश्चित रूप से अभी तक न्यायालय के कंधे पर बंदूक रखकर सरकार और भाजपा ने कई बड़ी सफलताएं हासिल की थी। राफेल जैसे कम से कम एक दर्जन मामले ऐसे थे। जिसमें न्यायालय के निर्णय से सरकार और भाजपा को राहत मिली थी। विपक्ष को मुंह की खानी पड़ी। सरकार जो चाहती थी, वह न्यायालय के आदेश की आड़ पर करा लेती थी। पहली बार समय की बलिहारी ऐसी रही, कि सूरत की कोर्ट का दांव बिल्कुल उल्टा पड़ गया। पिछले कुछ महीने से विपक्षियों के ऊपर जिस तरह से ईडी, सीबीआई और कानून का डंडा दिखाकर विपक्षियों को प्रताड़ित किया जा रहा था। उसकी भी एक सीमा होती है। सरकार ने यह सीमा रेखा पार कर ली है। सीबीआई और ईडी के अधिकारी जिस तरह से लालू यादव के परिवार जनों को भी घसीट कर बाहर निकाल कर ले आए। दिल्ली के मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर एक के बाद एक करके केस लगाकर जेल में बंद रखा जा रहा है। उसके बाद विपक्षी दलों में भी एक भय का वातावरण बना। अभी विरोध नहीं किया, तो एक-एक करके सब के साथ, यही हश्र होने वाला है। सूरत की न्यायालय से जिस तरीके से राहुल गांधी के मामले में सजा का फैसला कराया गया। कॉलेजियम को लेकर जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट को सरकार धमका रही है। न्यायालयों का किस तरीके से उपयोग, राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में किया जा रहा है। यह सब उजागर हो गया है। कांग्रेस एवं विपक्षी दल इस बात को अच्छी तरह से समझ गये है। राहुल गांधी ने भी जान लिया है, कि प्रधानमंत्री मोदी की जान गौतम अडानी में बसती है। अडानी की बात करते ही सरकार ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अडानी के बचाव में सामने खड़े नजर आते हैं। हमले अडानी के ऊपर किए जा रहे हैं। विचलित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सरकार और भाजपा हो रही है। अति सर्वत्र वर्जिते,का सूत्र शास्त्रों में दिया गया है। अति कुछ ज्यादा ही हो गई है। समय भी अब सरकार के अनुकूल नहीं चल रहा है। जब समय खराब हो, तो एक के बाद एक ऐसी ही प्रतिकूल परिस्थितियां निर्मित होती हैं। रावण की कैद में सभी ग्रह थे। जब राम रावण युद्ध चल रहा था। रावण को विश्वास था कि जब सारे ग्रह हमारे पास कैद हैं। तो राम क्या बिगाड़ लेंगे। लेकिन रावण का समय खराब था। एक-एक करके रावण के परिवार के सभी शक्तिशाली योद्धा एक के बाद एक धराशाई होते चले गए। राहुल गांधी अडानी पर सवाल पूछते रहेंगे। जेल जाने के लिए तैयार हैं। 8 साल तक चुनाव नहीं लड़ने का जोखिम उठाने के लिए भी तैयार हैं। ऐसे आदमी से निपटना बड़ा मुश्किल होता है। जब कोई भी व्यक्ति इस स्तर पर आ जाता है। तो उससे जीतना भगवान के लिए भी बड़ा मुश्किल होता है। भगवान वरदान उन्हीं को देते हैं जो तपस्या मन से करते हैं। उसमें कोई दुर्भावना नहीं होता है। राहुल गांधी ने जिस तरह से अब राजनीतिक सफर को जनता की लड़ाई के रूप में तब्दील कर दिया है बिना किसी डर और भय के वह अपना काम कर रहे हैं परिणामों की उन्हें कोई चिंता नहीं रही। यह वर्तमान सरकार और भारतीय जनता पार्टी को समझना होगा। अभी तक जिस रणनीति के बल पर वह सफल होते आए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जियो ने 5जी नेटवर्क के लिए देश भर में एक लाख टावर लगाए

मुंबई । देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने 5जी दूरसंचार नेटवर्क खड़ा करने के मकसद से देश भर में करीब एक लाख दूरसंचार टावर लगाए हैं। दूरसंचार विभाग के हालिया आंकड़ों के अनुसार दूरसंचार टावर लगाने के मामले में जियो दूसरे स्थान पर मौजूद कंपनी से लगभग पांच गुना आगे है। दूरसंचार विभाग के नेशनल ईएमएफ पोर्टल पर जारी दैनिक स्थिति रिपोर्ट के अनुसार जियो ने 700 मेगाहट्र्ज और 3,500 मेगाहट्र्ज वाले 99,897 बीटीएस (बेस ट्रांसीवर स्टेशन) स्थापित किए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर मौजूद कंपनी भारती एयरटेल ने कुल 22,219 बीटीएस स्थापित किए हैं। प्रत्येक आधार स्टेशन के लिए जियो के पास तीन सेल इकाइयां हैं जबकि एयरटेल के पास दो सेल इकाइयां हैं। ज्यादा टावर और सेल इकाइयां होने से इंटरनेट की रफ्तार अधिक रहती है। ऊकला की एक रिपोर्ट के अनुसार जियो के इंटरनेट की सर्वाधिक गति 506 मेगाबाइट प्रति सेकेंड (एमबीपीएस) आंकी गई जबकि एयरटेल 268 एमबीपीएस की अधिकतम गति के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

एवलॉन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ तीन अप्रैल को खुलेगा

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं देने वाली कंपनी एवलॉन टेक्नोलॉजीज का 865 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) तीन अप्रैल को खुलेगा। कंपनी के आईपीओ संबंधी प्रारंभिक दस्तावेज के मुताबिक उसका तीन-दिवसीय सार्वजनिक निर्गम छह अप्रैल को बंद होगा। एंकर निवेशक 31 मार्च को बोली लगा सकेंगे। पहले कंपनी का 1,025 करोड़ रुपए का आईपीओ लाने का प्रस्ताव था लेकिन बाद में इसका आकार घटाकर 865 करोड़ रुपए कर दिया गया है। सार्वजनिक निर्गम के तहत कंपनी 320 करोड़ रुपए नए शेयर जारी कर जुटाएगी जबकि प्रवर्तकों एवं मौजूदा शेयरधारकों के पास मौजूद शेयरों की खुली बिक्री से 545 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। वर्ष 1999 में स्थापित एवलॉन अन्य कंपनियों को इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं देने का काम करती है। अमेरिका और भारत में इसके 12 विनिर्माण संयंत्र हैं।

बैंकिंग संकट के अब जर्मनी में भी दस्तक देने की संभावना

वाशिंगटन । अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने से शुरू हुआ बैंकिंग संकट क्रेडिट सुइस के रास्ते यूरोप पहुंच गया। अब इसके जर्मनी में भी दस्तक देने की संभावना है। जर्मनी के सबसे बड़े ड्यूश बैंक का स्टॉक प्राइस तब एक झटके में 15 प्रतिशत टूट गया, जब बैंक के इंवेस्टर्स ने इसमें बिकवाली शुरू कर दी। ड्यूश बैंक के स्टॉक्स में इस बिकवाली की एक बड़ी वजह वैश्विक स्तर पर पांव पसार रहे आर्थिक संकट और स्वास्थ्य चिंताओं के फिर से बढ़ने को माना जा रहा है। बैंक के शेयर प्राइस में लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। ड्यूश बैंक का शेयर प्राइस पिछले दिनों कारोबार के दौरान 15 प्रतिशत तक टूट गया। इसके बाद इसमें थोड़ा सुधार देखने को मिला लेकिन कारोबार के अंत में ये 8.53 प्रतिशत टूटकर 8.54 यूरो पर बंद हुआ। साल 2023 की शुरुआत से अब तक इसके शेयर भाव में 21.94 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था में ड्यूश बैंक अहम भूमिका अदा करता है। ये एक मल्टीनेशनल बैंक है। कई सालों तक बैंक को छोटा और सुरक्षित बनाए रखने के बावजूद दुनियाभर के बाजारों में इसकी मौजूदगी है। ये मुख्य तौर पर कॉरपोरेट कर्ज के सेक्टर में काम करने वाला बैंक है। ड्यूश बैंक के शेयर में बिकवाली सिर्फ ग्लोबल इकोनॉमिक क्राइसिस और हेल्थ टेंशंस की वजह से नहीं हुई है बल्कि 2020 के मुकाबले क्रेडिट-डिफॉल्ट स्वैप बीमा की लागत कई गुना बढ़ने की वजह से निवेशकों के बीच बिकवाली की धारणा देखी जा रही है।

केंद्रीय मं त्रिमंडल देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतें तय करने पर विचार करेगा

- गैस कीमतों में पिछले संशोधन के बाद 70 प्रतिशत तक चढ़ चुके है सीएनजी और पीएनजी के दाम

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस के मूल्य की सीमा तय करने पर विचार करेगा। इसका उद्देश्य सीएनजी से लेकर उर्वरक कंपनियों के लिए उत्पादन की लागत को कम करना है। सरकार एक साल में दो बार स्थानीय रूप से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतें तय करती है जिसे वाहनों में उपयोग के लिए सीएनजी में और रसोई में इस्तेमाल के लिए पाइप वाली गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। इसके अलावा गैस का इस्तेमाल बिजली और उर्वरक उत्पादन में भी होता है। घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस के भुगतान के लिए दो फॉर्मूला हैं। इनमें एक ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) जैसी राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनियों के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए भुगतान का फॉर्मूला और दूसरा गहरे समुद्र के नए क्षेत्रों से उत्पादित गैस के भुगतान का फॉर्मूला है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में उछाल ने स्थानीय रूप से उत्पादित गैस की दरों को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। पुराने क्षेत्रों से गैस के लिए 8.57 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) और कठिन क्षेत्रों से गैस के लिए 12.46 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की दर तय है। इन दरों में एक अप्रैल को संशोधन होना है।

सूत्रों ने कहा कि मौजूदा फॉर्मूले के अनुसार पुराने क्षेत्रों से गैस की कीमतें बढ़कर 10.7 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक पहुंच सकती हैं। मुश्किल क्षेत्र की गैस के दाम में मामूली बदलाव होगा। गैस कीमतों में पिछले संशोधन के बाद सीएनजी और पीएनजी के दाम 70 प्रतिशत तक चढ़ चुके हैं। यदि एक अप्रैल से दरों में संशोधन होता है तो इसमें और बढ़ोतरी होगी। सूत्रों ने कहा कि सरकार ने पिछले साल किरीट पारिख की अध्यक्षता में गैस की कीमतों में संशोधन पर एक समिति गठित की थी जो स्थानीय उपभोक्ता और

उत्पादक दोनों हितों को संतुलित करती है और साथ ही देश को गैस आधारित अर्थव्यवस्था बनने के उद्देश्य को आगे बढ़ाती है।

समिति ने अपनी सिफारिशों में पुराने क्षेत्रों से निश्चित अवधि के लिए गैस के दाम में बदलाव मौजूदा ब्रेंट कच्चे तेल के दाम का 10 प्रतिशत करने को कहा है। अभी तक यह गैस अधिशेष वाले देशों की कीमतों के आधार पर किया जाता था।

नायका में लगातार हो रहे बड़े अधिकारियों के इस्तीफे

2054 रुपये का शेयर गिरकर 137 रुपये पर आया

मुंबई ।

फाल्गुनी नायर के ब्यूटी स्टार्टअप नायका को कौन नहीं जानता। साल 2021 में आए नायका के आईपीओ ने धूम मचा दी थी। यह साल का सबसे सफल आईपीओ रहा था। नायका का आईपीओ 83 फीसदी के प्रीमियम पर लिस्ट हुआ था। 1125 रुपये आईपीओ में शेयर का प्राइस था और शेयर 2054 रुपये पर लिस्ट हुआ था। इस शेयर ने कुछ ही दिनों में निवशकों का पैसा डबल किया था। लेकिन अब इस शेयर की बुरी हालत हो चुकी है। यह शेयर गिरते-गिरते 137 रुपये पर आ गया है। हालात यह है कि कंपनी में एक के बाद एक बड़े अधिकारी इस्तीफे दे रहे हैं। इस साल अब तक कंपनी की लीडरशिप टीम के 5 अधिकारी इस्तीफा दे चुके हैं। कंपनी ने ही इसकी जानकारी दी है। नायका के जिन अधिकारियों ने इस्तीफा दिया है, उसमें कंपनी की लीडरशिप के बड़े मेंबर शामिल हैं। कंपनी के चीफ कमर्शियल ऑफिसर मनोज गांधी, फैशन डिवीजन के चीफ बिजनस ऑफिसर गोपाल अस्थाना और होलसेल बिजनस के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर विकास गुप्ता के नाम शामिल हैं। साथ ही नायका के ब्रांड्स बिजनस के उपाध्यक्ष शुचि पंड्या और फैशन यूनिट में वीपी (फाइनेंस) ललित प्रुथी ने भी कंपनी छोड़ दी है। इससे पहले पिछले साल नवंबर में कंपनी के सीएफओ अरविंद अग्रवाल ने भी कंपनी छोड़ दी थी। कंपनी ने कहा, नायका जैसे 3,000 से अधिक ऑन-रोल कर्मचारियों के साथ एक तेजी से बढ़ रहे, ग्रोथ पर फोकस्ड, कंज्यूमर टेक ऑर्गेनाइजेशन में स्वैच्छिक और अनैच्छिक एग्जिट की उम्मीद रहती है। हम इनमें से कुछ मिड-लेवल एग्जिट्स को सालाना अप्रेजल और परिवर्तन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में देखते हैं। इसमें लोग परफॉर्मेंस के कारण या अन्य अवसरों को पाने के लिए बाहर निकल जाते हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से 5 कंपनियों का मार्केट कैप 86,447 करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में इन्फोसिस, टीसीएस और एसबीआई रहे

मुंबई ।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 86,447.12 करोड़ रुपए की गिरावट आई. जिसमें सबसे अधिक नुकसान इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और एसबीआई के मार्केट कैप में गिरावट आई। जबकि आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एचडीएफसी और भारती एयरटेल के मार्केट कैप में इजाफा हुआ ह। बीते सप्ताह इन्फोसिस का मार्केट कैप 25,217.2 करोड़ रुपए घटकर 5,72,687.97 करोड़ रुपए रह गया। एसबीआई के मार्केट कैप 21,062.08 करोड़ रुपए गिरकर 4,51,228.38 करोड़ रुपए, टीसीएस का मार्केट कैप 21,039.55 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 11,42,154.59 करोड़ रुपए, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 13,226.53 करोड़ रुपए के नुकसान से

14,90,775.40 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 5,901.76 करोड़ रुपए टूटकर 8,71,416.33 करोड़ रुपये रह गया।

वहीं इसके विपरीत आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 10,905.18 करोड़ रुपए बढ़कर 5,94,888.25 करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 7,542.19 करोड़ रुपए बढ़कर 5,82,816.11 करोड़ रुपए, आईटीसी का मार्केट कैप 3,664.01 करोड़ रुपए के उछाल से 4,70,360.22 करोड़ रुपए, वहीं भारती एयरटेल के मार्केट कैप 2,787.57 करोड़ रुपए बढ़कर 4,24,964.64 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का मार्केट कैप 384.89 करोड़ रुपए बढ़कर 4,69,845.34 करोड़ रुपए हो गया। इस हफ्ते भी प्रमुख 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईटीसी, एचडीएफसी, एसबीआई और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

विदेशी निवेशकों ने मार्च में अब तक बाजार में डाले 7,200 करोड़

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजार में 7,200 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसमें मुख्य हिस्सा अमेरिका के जीक्यूजी पार्टनर्स द्वारा अडानी समूह की कंपनियों में किया गया निवेश शामिल है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली में दबाव और बैंकिंग शेयरों में गिरावट के कारण वैश्विक स्तर पर बाजारों में जोखिम कम होने की वजह से निकट अवधि में एफपीआई के सतर्क रहने की संभावना है। इस महीने की शुरुआत में सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के पतन के बाद अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली में दबाव दिखाई दे रहा है। वृहद धारणा उतार-चढ़ाव की होने के बावजूद ज्यादातर वैश्विक बाजारों में सुधार देखा गया। आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की है। साथ ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने देश की वित्तीय प्रणाली में स्थिरता की उम्मीद जताई है। केंद्रीय बैंक के सख्त

मौद्रिक रुख की वजह से एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव रहने की संभावना है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने 24 मार्च तक भारतीय शेयरों में 7,233 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों से 5,294 करोड़ रुपए और जनवरी में 28,852 करोड़ रुपए निकाले थे। वहीं दिसंबर 2022 में उन्होंने शेयरों में 11,119 करोड़ रुपए का निवेश किया था।

सरकार ने पान मसाला, तंबाकू पर अधिकतम GST उपकर की सीमा तय की

नई दिल्ली :

सरकार ने पान मसाला, सिगरेट और तंबाकू के अन्य उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मुआवजा उपकर की अधिकतम दर की सीमा तय कर दी है। इसके साथ ही सरकार ने उच्चतम दर को खुदरा बिक्री मूल्य से भी जोड़ दिया है। उपकर की दर की सीमा गत शुक्रवार को लोकसभा में पारित वित्त विधेयक, 2023 में संशोधनों के तहत लाई गई है। ये संशोधन एक अप्रैल, 2023 से लागू होंगे। संशोधन के मुताबिक, पान मसाला के लिए जीएसटी मुआवजा का अधिकतम उपकर प्रति इकाई खुदरा मूल्य का 51 प्रतिशत होगा। मौजूदा व्यवस्था के तहत उपकर उत्पाद के मूल्यानुसार 135 प्रतिशत पर लगाया जाता है। तंबाकू पर दर 4,170 रुपए प्रति हजार स्टिक के साथ मूल्यानुसार 290 प्रतिशत या प्रति इकाई खुदरा मूल्य के 100 प्रतिशत तय की गई है। अभी तक सबसे ऊंची दर 4,170 रुपए प्रति हजार स्टिक के साथ मूल्यानुसार 290 प्रतिशत है। यह उपकर जीएसटी की सबसे ऊंची 28 प्रतिशत की दर के ऊपर लगाया जाता है। हालांकि, कर विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव के बाद लागू होने वाले मुआवजा उपकर के लिए आकलन के लिए जीएसटी परिषद को अधिसूचना जारी करने की जरूरत होगी।

बैंकिंग संकट और एफआईआई के रुख का बाजार पर रहेगा असर

- फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर के आक्रामक रुख समाप्त करने का असर भी घरेलू बाजार पर रहेगा

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों के कमजोर रुझान से बीते सप्ताह करीब एक प्रतिशत की गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह अमेरिकी बैंकिंग संकट, फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर के आक्रामक रुख समाप्त करने के संकेत, कच्चा तेल, डॉलर इंडेक्स और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 462.8 अंक की गिरावट के साथ सप्ताहांत पर 57527अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 155 अंक लुढ़ककर 16945 अंक पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी गिरावट का रुख रहा। सप्ताहांत पर मिडकैप 478.45 अंक टूटकर 23633.56 अंक और स्मॉलकैप 400.74 अंक उतरकर 26767 अंक पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में एक बार फिर 0.25 प्रतिशत की वृद्धि कर दी लेकिन बैंकिंग संकट का हवाला देते हुए निकट भविष्य में नीतिगत दरों के आक्रामक रुख पर लगाम लगाने का भी संकेत दिया है। इस सप्ताह इसका असर घरेलू बाजार पर देखा जा सकता है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक एवं एफआईआई के निवेश प्रवाह पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। एफआईआई ने पिछले लगातार तीन महीने दिसंबर, जनवरी और फरवरी में बाजार से निवेश निकाल लिए। लेकिन मार्च में अब तक वह 246.04 करोड़ रुपए के शुद्ध बिकवाल रहे हैं। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का शुद्ध निवेश 25,592.99 करोड़ रुपए रहा। एशियाई बाजार से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली के दबाव में सोमवार को सेंसेक्स और में गिरावट रही। वहीं वैश्विक बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, वित्तीय सेवाएं, बैंकिंग और ऊर्जा समेत चौदह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। इसी तरह अमेरिकी फेड रिजर्व की बैठक से पहले बैंकिंग संकट टलने की उम्मीद में वैश्विक बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की हेल्थकेयर, कमोडिटीज और यूटिलिटीज समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त पर रहे। वहीं वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर रियल्टी, बैंकिंग, आईटी, टेक और वित्तीय सेवाएं समेत बारह समूहों में हुई बिकवाली से गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही।

नोएडा, यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में बढ़ी पेट्रोल-डीजल की कीमतें

- ब्रेंट क्रूड 74.99 डॉलर प्रति बैरल, डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.26 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है. डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.26 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 74.99 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में कई जगह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल 23 पैसे महंगा हुआ है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 53 पैसे और डीजल 49 पैसे महंगा हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल 41 पैसे और डीजल 37 पैसे महंगा हुआ है। बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में ईंधन के दाम में वृद्धि दर्ज की गई है।

जम्मू-कश्मीर में जहां पेट्रोल 1.23 रुपए तो डीजल 94 पैसे सस्ता हो गया है। हिमाचल में पेट्रोल 29 पैसे डीजल 26 पैसे सस्ता हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

(तेल-तिलहन बाजार समीक्षा) तेल-तिलहन की कीमतें पूर्व-स्तर पर ही बंद हुई

मुंबई ।

कोटा व्यवस्था के तहत सूरजमुखी और सोयाबीन तेल का शुल्क मुक्त आयात बढ़ने से पिछले तीन महीनों में भारी आयात के बीच दिल्ली तेल तिलहन बाजार में शनिवार को सभी खाने के तेलों के भाव दबाव में रहे लेकिन कीमतें पूर्वस्तर पर ही बंद हुईं। तेल तिलहनों के भाव ऊंचे स्तर पर बोले जा रहे हैं लेकिन ऊंची कीमतों पर लिवाल नहीं होने से सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल तिलहन, सीपीओ, बिनौला और पामोलीन तेल की कीमतें पूर्वस्तर पर बनी रहीं।

शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,220-5,270 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,765-6,825 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,580 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,530-2,795 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी 10,650 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी 1,680-1,750 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी 1,680-1,800 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 11,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,900 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 9,250 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,500 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,250 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,000 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 9,000 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,2055,355 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,965-5,015 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

800 में बेच दिए थे एपल के 10 फीसदी शेयर, आज 250 अरब के मालिक होते वेन!

- रोनाल्ड वेन ने स्टीव वॉज्नियाक और स्टीव जॉब्स के साथ मिलकर एपल की स्थापना की थी

नई दिल्ली ।

आईफोन और आईपैड बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी एपल मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। पिछले साल जनवरी में तो इसका मार्केट कैप तीन लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंच गया था। फिलहाल इसका मार्केट कैप 2.535 लाख करोड़ डॉलर है जो दुनिया के कई देशों की जीडीपी से अधिक है। यानी इसका एक फीसदी शेयर भी किसी के पास हो तो वह 25 अरब डॉलर यानी करीब दो लाख करोड़ रुपए का मालिक होगा। अब सोचिए कि किसी के पास एपल के 10 फीसदी शेयर हों और उसने 800 डॉलर में इन्हें बेच दिया हो। उसे आज अपने फैसले पर कितना मलाल हो रहा होगा। लेकिन यह सच है। इस शख्स का नाम है रोनाल्ड वेन। वह कंपनी के तीन को-फाउंडर्स में से एक हैं। लेकिन उनके बारे में कम ही लोगों को जानकारी है।

वेन ने स्टीव वॉज्नियाक और स्टीव जॉब्स के साथ मिलकर एपल की स्थापना की थी। उस समय वॉज्नियाक की उम्र 21 साल और जॉब्स की 25 साल थी जबकि वेन की उम्र 42 साल थी। यानी वह इस मंडली में सबसे अनुभवी व्यक्ति थे। उन्हें कंपनी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग और डॉक्युमेंटेशन की जिम्मेदारी दी गई थी और इसके बदले में 10 फीसदी हिस्सेदारी मिली थी। एक अप्रैल 1976 को वेन ने टाइपराइटर उठाया और हर आदमी की जिम्मेदारी तय करते हुए एक एग्रीमेंट बनाया। इतना ही नहीं कंपनी का पहला लोगो भी उन्होंने ही तैयार किया था।

कंपनी का पहला लोगो आइजक न्यूटन की तस्वीर थी। जॉब्स ने 15,000 डॉलर का लोन ले रखा था ताकि कंपनी के पहले कॉन्ट्रैक्ट के लिए सप्लाई खरीदी जा सके। कंपनी को पहला कॉन्ट्रैक्ट बे एरिया कंप्यूटर स्टोर द बाइट शॉप से मिला था। उसने एपल को करीब 100 कंप्यूटर का ऑर्डर दिया था। लेकिन द बाइट शॉप बिल न देने के लिए बदनाम थी और वेन को चिंता थी कि एपल को पैसे नहीं मिलेंगे। उस समय जॉब्स और वॉज्नियाक के पास पैसे नहीं थे जबकि वेन के घर के साथ-साथ बाकी एसेट्स भी थी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला मुक्केबाज स्वीटी का सफर आसान नहीं रहा

नई दिल्ली । कबड्डी खिलाड़ी से मुक्केबाज बनी स्वीटी बूरा ने विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के 80 किग्रा वर्ग में में स्वर्ण जीतने के साथ ही अपने को साबित किया है। स्वीटी ने अपने पिता की सलाह पर मुक्केबाजी शुरु की थी। साल 2009 में 15 साल की उम्र में पहली बार स्वीटी ने बॉक्सिंग ट्रेनिंग सेंटर का रुख किया। किसान की बेटी स्वीटी को शुरू में काफी बाधाओं और परेशानियों का सामना करना पड़ा। अंत में संघर्ष सफल हुआ है और स्वीटी देश की शीर्ष महिला मुक्केबाजों में से एक बनकर उभरी हैं। वह 2014 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता थीं। इस मुक्केबाज ने नहई दिल्ली में आयोजित विश्व महिला मुक्केबाज चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इस मुक्केबाज ने हाल ही में जॉर्डन में एशियाई चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था।80 किग्रा वर्ग में मुक्केबाज स्वीटी बूरा हरियाणा के हिसार की रहने वाली हैं। घर की कमजोर आर्थिक हाल के बाद भी उसने मुक्केबाजी जारी रखी। साल 2009 में स्वीटी ने 3 महीने के अंदर ही राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीते।

मोरक्को ने ब्राजील पर दर्ज की ऐतिहासिक जीत

टैंजियर ।

मोरक्को ने सुफियान बोफाल और अब्दलहामिद साबिरी के गोलों की मदद से दोस्ताना मैच में ब्राजील पर 2-1 की ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ मोरक्को की पहली जीत है। करीब 65000 फुटबॉल प्रेमियों से खचाखच भरे इब्ने बतूता स्टेडियम पर शनिवार को खेले गए मुकाबले में बोफाल ने 29वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके मोरक्को को बढ़त दिलाई। कैसीमिरो ने 67वें मिनट में ब्राजील के लिये गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। अंततः, प्रतिस्थापन खिलाड़ी साबिरी ने 79वें मिनट में गोल किया जो मोरक्को की जीत के लिए निर्णायक साबित हुआ। फीफा विश्व कप 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद यह घरेलू मैदान पर मोरक्को का पहला मैच था, जहां उसने प्रशंसकों को इस यादगार जीत का तोहफा दिया। गौरतलब है कि मोरक्को विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम थी। उसने अपने यादगार अभियान में बेल्जियम, स्पेन और पुर्तगाल जैसी बड़ी टीमों को हराकर फुटबॉल जगत में हलचल मचाई थी।

विश्व युवा चैम्पियनशिप: भारतीय भारोत्तोलकों ने दो कांस्य पदक जीते

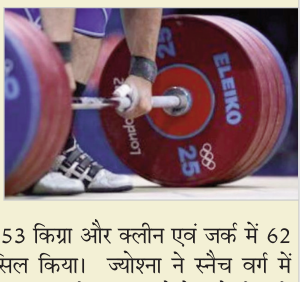

नई दिल्ली । भारतीय भारोत्तोलक धनुष लोगानाथन और ज्योश्ना साबर ने अल्बानिया के डुरेस में चल रही आईडब्ल्यूएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप के शुरूआती दिन अपने वजन वर्गों में कांस्य पदक जीते। महिलाओं के 40 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा ले रहीं 14 वर्षीय ज्योश्ना ने शनिवार की रात कुल 115 किग्रा (स्नैच में 53 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 62 किग्रा) का वजन उठाकर तीसरा स्थान हासिल किया। ज्योश्ना ने स्नैच वर्ग में रजत पदक जीता लेकिन वह क्लीन एवं जर्क वर्ग में सात भारोत्तोलकों में छठे स्थान पर थीं। वहीं धनुष ने पुरूषों की 49 किग्रा स्पर्धा में कुल 200 किग्रा (88 किग्रा और 112 किग्रा) का वजन उठाया जिससे वह फिलीपींस के प्रिंस के. डेलोस सांतोस और इरोन बोरेस से पीछे तीसरे स्थान पर रहे। इस 16 वर्षीय भारोत्तोलक ने स्नैच वर्ग में रजत पदक जीता। युवा चैम्पियनशिप में 13 से 17 वर्ष के भारोत्तोलक हिस्सा ले सकते हैं। महाद्वीपीय और विश्व चैम्पियनशिप में स्नैच, क्लीन एवं जर्क तथा कुल वजन वर्ग में पदक अलग अलग दिए जाते हैं लेकिन ओलंपिक खेलों में कुल वजन वर्ग के लिये केवल एक पदक दिया जाता है।

गांगुली ने ऋषभ को बताया विशेष खिलाड़ी, पूरी तरह ठीक होने के बाद ही वापसी करें

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिल्ली कैपिटल्स के निदेशक सौरव गांगुली ने कहा है कि आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पूरी तरह से ठीक होने के बाद ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करनी चाहिये। ऋषभ गत वर्ष हुए कार हादसे से अभी उबर रहे हैं। वह 30 दिसंबर को कार हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। ऋषभ इस साल आईपीएल सहित विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं। उनके बाहर होने से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वार्नर को सौंपी गयी है। गांगुली ने कहा राष्ट्रीय टीम को भी उनकी कमी खल रही है। वह युवा हैं और उनके करियर में काफी समय बचा है। वह एक विशेष खिलाड़ी है और उसे ठीक होने के लिए अपना पूरा समय लेना चाहिए। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और मैं उनसे जाकर मिलूंगा भी। वहीं आईपीएल के नए सत्र के बारे में उन्होंने कहा, लड़कों के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा है और मैं सत्र के शुरू होने का इंतजार कर रहा हूं। नेट अभ्यास अच्छा है पर हम मैच मोड में आना चाहते हैं। कोच रिकी पोंटिंग शानदार है। वह ट्रेनिंग के दौरान काफी उत्साह लाते हैं। कप्तान ऋषभ की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी वॉर्नर के जबकि उप-कप्तानी अक्षर पटेल के पास है। गांगुली ने वॉर्नर के बारे में कहा वॉर्नर टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हैं। वह हमेशा चुनौती के लिए तैयार रहता है। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। उसके नाम इस टूर्नामेंट में काफी रन होने के साथ ही अनुभव भी है।

बॉक्सिंग में भारत की गोल्डन हैट्रिक, निकहत जरीन 50 किग्रा भार वर्ग में बनीं विश्व चैम्पियन

(एजेंसी)

रविवार को महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भारत को तीसरा गोल्ड मेडल मिला है। 26 वर्षीय मुक्केबाज निकहत जरीन (50 किग्रा) यहां वियतनाम की एनगुएन थि ताम को 5-0 से हराकर विश्व चैम्पियन बनीं। यह उनका दूसरा विश्व खिताब है। इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीतू गंघास (48 किग्रा) और अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा (81 किग्रा) शनिवार को यहां महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में अलग अलग अंदाज में जीत से विश्व चैम्पियन बनीं और इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। नीतू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगोलिया की लुतसाईखान अल्तानसेतसेग को 5-0 से हराकर न्यूनतम वजन वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्टेडियम में बीजिंग ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और नीतू के आदर्श विजेंदर सिंह भी मौजूद थे। स्वीटी ने लाइट हेवीवेट वर्ग में चीन की वांग लिना की चुनौती से पार पाते हुए 4-3 से जीत हासिल की और भारत को दोहरी सफलता दिलायी।

सात्विक-चिराग ने जीता स्विस ओपन 2023 का खिताब, चीन के रेन-तान को हराया

बेसल ।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने स्विस ओपन के पुरुष युगल फाइनल में रविवार को चीन के रेन ज़ियांग यू और तान कियांग को हराकर 2023 का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के चैंपियन सात्विक-चिराग ने 54 मिनट चले रोमांचक खिताबी मुकाबले में चीनी युगल को 21-19, 24-22 से मात दी। इससे पहले सात्विक-चिराग ने सेमीफाइनल में मलेशिया के ओंग यू सिन और टियो ई यी को परास्त किया था। पहले गेम में भारतीय जोड़ी ने धैर्यवान शुरुआत करने के बाद आक्रामक रुख अपनाया और 18-13 की बढ़त बना ली। सात्विक-चिराग जब गेम जीतने से सिर्फ तीन पॉइंट दूर थे तब चीनी युगल ने शानदार डिफेंस का प्रदर्शन कर स्कोर 18-17 कर दिया। रेन-तान ने गेम समाप्त होने से पहले तीन अंक और स्कोर किये लेकिन चिराग के शानदार शॉट चयन ने भारत को 21-19 की जीत दिला दी। पहले गेम के अंतिम हिस्से में लय हासिल करने वाली चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में लगातार पॉइंट स्कोर किए, हालांकि सात्विक-चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे। भारत जब 20-19 पर चैंपियनशिप जीतने से सिर्फ एक पॉइंट दूर था तब शटल नेट से लगकर भारतीय खेमे में गिर गई और स्कोर 20-20 से बराबर हो गया। रेन-तान ने एक समय पर 22-21 की बढ़त भी बना ली लेकिन वह उसे जीत में तब्दील नहीं कर सके। दूसरी ओर, सात्विक-चिराग ने लगातार तीन पॉइंट स्कोर करके खिताब अपने नाम कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

शोएब अख्तर ने पहले टी20 में जीत पर अफगानिस्तान को बधाई दी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने शारजाह में खेले गए टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान के हाथों अपनी टीम के हारने पर भी खुशी जतायी है। अख्तर ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि हमारे पठान भाई जीते हैं। अफगानिस्तान ने इस मुकाबले में पाक को छह विकेट से हरा दिया। शोएब ने इस जीत पर । अफगानिस्तान को बधाई दी है। अख्तर ने कहा कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को शानदार तरीके से हराया है। शोएब ने कहा, अफगानिस्तान ने ठीक-ठाक तरीके से पाकिस्तान को पीटा है। अफगानिस्तान की टीम काफी अच्छी है। उनके स्पिनर्स और तेज गेंदबाज दोनों ही काफी अच्छे हैं। गेंदबाज मोहम्मद नबी ने बेहतरीन गेंदबाजी की। इस जीत से भारत में होने वाले विश्वकप के लिए अफगान टीम का मनोबल बढ़ेगा। वहीं यह भी कहा कि पाक टीम के युवा कप्तान शादाब खान को निराश नहीं होना चाहिये। वह एक बहुत अच्छे कप्तान हैं और अगले मैच में वापसी करेंगे। शारजाह में खेले गए मैच में पाक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 92 रन ही बना पायी। इसमें पाकिस्तान की युवा टीम अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी नहीं कर पायी। 93 रनों के लक्ष्य को अफगानिस्तान ने 13 गेंद और 6 विकेट रहते ही हासिल कर लिया। नबी ने नाबाद 38 रनों की पारी खेली।

सूर्यकुमार का बल्लेबाजी क्रम बदलकर रोहित ने गलती की : कनेरिया

लाहौर। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में तीनों ही एकदिवसीय क्रिकेट मैचों में रन नहीं बना पाये। इसके बाद भी कप्तान रोहित शर्मा के उनका बचाव करने को पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने सही बताया है पर कहा कि उनका बल्लेबाजी क्रम बदलकर रोहित ने गलती की है। कनेरिया ने कहा कि सूर्या काफी अच्छे बल्लेबाज हैं और उनका समर्थन करना चाहिये। उन्होंने आखिरी एकदिवसीय सूर्या का बल्लेबाजी क्रम बदलने के लिए रोहित को जिम्मेदार माना है। कनेरिया के अनुसार सूर्या को नंबर 4 पर ही बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना चाहिये। कनेरिया ने सूर्यकुमार का बचाव करते हुए कहा, 'सूर्यकुमार के मामले में भारतीय टीम प्रबंधन ने पर्याप्त आत्मविश्वास नहीं दिखाया है। उन्हें अपनी स्थिति नहीं बदलनी चाहिए थी। यहां तक कि विराट कोहली जैसे बल्लेबाज को भी फॉर्म में आने में कुछ समय लगा पर उनकी स्थिति नहीं बदली, ऐसे में सूर्यकुमार यादव के साथ ऐसा क्यों किया गया? सूर्यकुमार के खराब प्रदर्शन के लिए भारतीय टीम प्रबंधन जिम्मेदार है। ' उन्होंने कहा, 'यह रोहित की भी गलती है। उन्होंने ऐसे समय में उसका क्रम बदला जब उसे मनोबल बढ़ाये जाने के साथ ही प्रेरित किये जाने की जिम्मेदारी थी। उसे अपने क्रम पर ही बल्लेबाजी के लिए उतारा जाना चाहिये।'

आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले वाले बल्लेबाजों में केवल एक विदेशी

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 सत्र इस माह के अंत में शुरु होने जा रहा है। इसको लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। आईपीएल में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में केवल एक ही विदेशी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर हैं। बाकि चार बल्लेबाज भारतीय है। इनमें विराट कोहली, शिखर धवन, रोहित शर्मा ओर सुरेश रैना हैं। विराट , रोहित, धवन ओर वार्नर जहां अब भी खेल रहे हैं। वहीं रैना ने संन्यास ले लिया है।

1 विराट कोहली : 2013 से 2021 तक रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की कप्तानी करने वाले विराट कोहली लीग के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। विराट ने 215 पारियों में 36.19 के औसत और 129.14 के स्ट्राइक रेट से 6624 रन बनाए हैं। उन्होंने लीग में अब तक 5 शतक, 44 अर्धशतक लगाए हैं। विराट के इतने अधिक रनों के बाद भी आरसीबी एक बार भी खिताब नहीं जीती है।

2 शिखर धवन : शिखर धवन आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। धवन ने 35.07 की औसत और 126.34 की स्ट्राइक रेट से 6244 रन बनाये हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए पिछले दो-तीन सत्रों में शानदार बल्लेबाजी की थी।

3 डेविड वार्नर : सनराइजर्स आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान बने हैं। वह सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान भी रहे हैं। वार्नर आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। वह इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। वह पिछले 2022 संस्करण में रोहित शर्मा के 5879 रनों के आंकड़े से आगे निकले थे। उन्होंने 162 पारियों में 42 की औसत और 140.69 की स्ट्राइक रेट से 5881 रन बनाए हैं। उन्होंने लीग में अब तक 4 शतक और 55 अर्धशतक लगाये हैं।

4 रोहित शर्मा : रोहित ने इस लीग में खेली गई 222 पारियों में 30.30 के औसत और 129.89 के स्ट्राइक रेट से 5879 रन बनाए हैं। यह आईपीएल इतिहास में चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। इसमें उनका उच्चतम स्कोर 109 होने के साथ 1 शतक 40 अर्धशतक शामिल हैं।

भविष्य में बांग्लादेशी और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को आईपीएल में शायद ही अवसर मिले

मुम्बई । आने वाले समय में बांग्लादेशी और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए बांग्लादेश और श्रीलंकाई बोर्ड की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। इन दोनो ही बोर्ड ने आईपीएल के लिए खरीदे गये खिलाड़ियों को अभी तक एनओसी नहीं दी है। आईपीएल में इस बार सिर्फ तीन ही बांग्लादेशी खिलाड़ी शामिल हैं। ये हैं शाकिब अल हसन, लिटन दास और मुस्तफिजुर रहमान।ये तीनों ही खिलाड़ी केवल 9 अप्रैल से 5 मई तक और फिर 15 मई से आईपीएल के लिए उपलब्ध होंगे। ऐसे में बांग्लादेश के एनओसी मुद्दे से बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजी नाराज हैं। वहीं, आईपीएल में श्रीलंका के भी चार खिलाड़ी खेलने जा रहे हैं पर ये खिलाड़ी भी एनओसी नहीं मिलने के कारण टूर्नामेंट के पहले सप्ताह में शामिल नहीं हो पाएंगे। श्रीलंकाई खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने दौरे के बाद 8 अप्रैल से ही आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ पाएंगे। श्रीलंका और बांग्लादेश के सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी के लिए काफी अहम हैं। इन खिलाड़ियों ने आईपीएल 2023 नीलामी में रजिस्ट्रेशन कराया। इसे बाद भी उनके संबंधित बोर्ड ने एनओसी नहीं दी है। इसके कारण ये कुछ मैच नहीं खेल पायंगे। इसी को लेकर एक आईपीएल फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने कहा है कि अगर आप देखें तो तस्कीन अहमद को एनओसी नहीं मिली और अब उनके बोर्ड नहीं चाहते कि उनके खिलाड़ी खेलें तो उन्हें रजिस्ट्रेशन नहीं कराना चाहि पर अब भविष्य में बांग्लादेशी खिलाड़ियों को लिए जाने से पहले सभी विचार करेंगे। बांग्लादेश और श्रीलंका के सात खिलाड़ी आईपीएल 2023 में शामिल हैं। भानुका राजपक्षे पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हैं, जबकि श्रीलंका के अन्य तीन खिलाड़ी दूसरे सप्ताह से ही उपलब्ध रहेंगे।

क्रिकेट ऐप के प्रमोशन में एक्टर और क्रिकेटरों ने उड़ाया एक दूसरे का मजाक

मुम्बई । फिल्म अभिनेता आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी एक एक क्रिकेट ऐप को प्रमोट करने के लिए एक साथ नजर आये हैं। इसी को लेकर उनकी खिलाड़ियों ने मजाकिया बातचीत हुई हैं। क्रिकेट ऐप के इस नये प्रमोशनल वीडियो में आमिर, माधवन और शरमन एक प्रत्रकार वार्ता करते हुए नजर आये। इस वीडियो में तीनों अभिनेताओं ने खिलाड़ियों के अभिनय जगत में काम करने का मजाक उड़ाया। साथ ही मजाकिया लहजे में कहा कि वो भी अब क्रिकेट खेलेंगे। आमिर ने कहा कि जब क्रिकेटर एक्टिंग में व्यसत हैं तो हम लोग ही क्रिकेट हम खेल लेते हैं।आमिर की इस बात पर कई क्रिकेटरों ने उनकी हंसी उड़ायी है। आमिर की बात पर रोहित शर्मा कहते हैं- लगान में क्रिकेट खेलकर कोई क्रिकेटर नहीं बना जाता है। इसपर आर माधवन, आमिर कहते हैं, आमिर ने अपने करियर में कई हिट्स दी हैं। रोहित इसपर कहते हैं, दो साल में एक हिट देकर कोई हिटमैन नहीं बन जाता है। कई क्रिकेटर्स का कहना है कि क्रिकेट मैदान में एक्टर्स को बहुत मुश्किल होने वाली हैं। हार्दिक पांड्या एक्टर्स का मजाक उड़ाते हुए कहते हैं, एक बाउंसर आएगा, तो जमीन पर आ जाओगे। वहीं, जसप्रीत बुमराह एक्टर्स पर व्यंग कसते हुए हैं कि क्या वो मैदान पर 150 रन भी बना सकते हैं? तीनों अभिनेता क्रिकेटर्स को निशाना बनाकर कहते हैं, ये लोग हमारे क्षेत्र में जाकर ज्यादा ही उड़ रहे हैं। अब हम खेल में उतरेंगे।

शुभमन ने शानदार प्रदर्शन किया है : धवन

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने जिस प्रकार का खेल दिखाया है उससे कोई भी उसे टीम में शामिल कर लेगा। साथ ही कहा कि अगर मैं भी चयनकर्ता होता तो उसे शामिल करता। उन्होंने कहा, शुभमन काफी अच्छा कर रहा है और सभी को इसे स्वीकार करना चाहिए हालांकि मैं अवसरों के लिए तैयार हूं। खिलाड़ियों के लिए मौके हमेशा रहते हैं। कभी भी चमत्कार हो सकता है। मैं अपनी ओर से पूरा प्रयास रहा हूं।

धवन ने अंतिम बार गत वर्ष बांग्लादेश के खिलाफ मैच में खेला था। उसके बाद से ही उन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। जिस प्रकार से युवा खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहे हैं। उससे धवन की वापसी कठिन नजर आ रही है। इससे पहले वह वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ टीम की कप्तानी भी कर चुके थे और माना जा रहा था कि एकदिवसीयविश्व कप के लिए वह टीम इंडिया की योजनाओं में शामिल हैं।

वहीं उनकी जगह टीम में शामिल किए गए शुभमन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर बेहद अच्छा प्रदर्शन किया। जिससे धवन की वापसी असंभव हो गयी है। इससे यह तय हो गया है कि विश्व कप में शुभमन ही कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। धवन भी जानते हैं कि अब उनके लिए वापसी की उम्मीदें नहीं हैं। इसी को देखते हुए वह अपनी संन्यास के बाद की योजनाओं पर भी काम करने लगे हैं। धवन ने कहा कि जिस दिन उन्हें ऐसा लगेगा कि अब उन्हें इस खेल को अलविदा कहना चाहिए तो वह देर नहीं करेंगे। इसके अलावा क्रिकेट से संन्यास के बाद की योजनाओं पर उन्होंने कहा, मैं क्रिकेट से संन्यास के बाद अपने कारोबार को आगे बढ़ाना चाहता हूं। इसके अलावा मुझे अगर अवसर मिलेगा तो मैं फिल्मों में भी काम करुंगा।

बुमराह और फिजियो से बात कर रहे एनसीए प्रमुख लक्ष्मण

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज बेंदबाज जसप्रीत बुमराह की चोट और उनकी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया पर नजर रखने का काम राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के निदेशक वीवीएस लक्ष्मण को दिया है। ऐसे में लक्ष्मण ही बुमराह की चोट से जुड़ी सभी जानकारियों पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्वकप तक बुमराह को पेशेवर क्रिकेट में नहीं उतरेगा। बोर्ड का लक्ष्य है कि इस तेज गेंदबाज का करियर लंबे समय तक चले। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई में कई लोगों को बुमराह की चोट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उनसे और फिजियो से बात करने के लिए केवल लक्ष्मण को नियुक्त किया गया है। यहां तक कि चयन समिति को भी कहा गया है कि उन्हें भी बुमराह की चोट और उनके रिहैब विवरण के बारे में सही समय पर ही जानकारी दी जाएगी। बीसीसीआई बुमराह को लेकर कोई भी खतरा नहीं उठाना चाहता है। बीसीसीआई के अनुसर उनकी पीठ अभी गंभीर स्थिति में है। इससे पहले जब उनकी वापसी जल्दबाजी में की गयी थी तो उससे नुकसान ही हुआ। वापसी पर गेंदबाजी करते समय उन्हें परेशानी हुई। ऐसे में इस बार कोई खतरा नहीं उठाया जाएगा। इससे उनका करियर खतरे में पड़ सकता है। गौरतलब है कि बुमराह को पिछले साल आईसीसी टी20 विश्व कप से ठीक पहले और फिर इस साल जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप से पहले दो बार जल्दबाजी में वापस लाने की कोशिश की गई थी पर कोई लाभ नहीं हुआ और वे नहीं खेल पाये। बुमराह की हाल ही में न्यूजीलैंड में सर्जरी हुई है। माना जा रहा है कि बुमराह का जिस प्रकार का अजीब एक्शन है उससे उनके शरीर पर बहुत अधिक दबाव पड़ता है। कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी बुमराह के बार-बार चोटिल होने के लिए उनके एक्शन को जिम्मेदार माना है।

हिंदू धर्म के बाद किस धर्म की उत्पत्ति हुई?

वैसे हिंदू धर्म के बाद बहुत से प्राचीन धर्मों का उल्लेख किया जा सकता है, जैसे पेगन, वूडू आदि लेकिन हिंदू-जैन के बाद यहूदी धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म था जिसने धर्म को एक नहीं व्यवस्था में ढाला और उसे एक नई दिशा और संस्कृति दी। हजरत आदम से लेकर अब्राहम और अब्राहम से लेकर मूसा तक की परंपरा यहूदी धर्म का हिस्सा है। यह सभी कहीं न कहीं हिंदू धर्म की परंपरा से जुड़े थे। ऐसा माना जाता है कि राजा मनु को ही यहूदी लोग हज. नूह कहते थे। दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है यहूदी धर्म। लगभग 4000 साल पुराना यह धर्म वर्तमान में इसराइल का राजधर्म है। यहूदी धर्म की शुरुआत पैगंबर हजरत इब्राहिम (अबराहम या अब्राहम) से मानी जाती है, जो ईसा से 2000 वर्ष पूर्व हुए थे। हज.इब्राहिम के बाद यहूदी इतिहास में सबसे बड़ा नाम 'पैगंबर मूसा' का है। हजरत मूसा ही यहूदी जाति के प्रमुख व्यवस्थाकार हैं। ह.मूसा को ही पहले से चली आ रही एक परंपरा को स्थापित करने के कारण यहूदी धर्म का संस्थापक माना जाता है। हज.मूसा के बाद यहूदियों को विश्वास है कि कयामत के समय हमारा अगला पैगंबर आएगा। मूसा मिस्र के फराओ के जमाने में हुए थे। दुनिया के प्राचीन धर्मों में से एक यहूदी धर्म से ही ईसाई और इस्लाम धर्म की उत्पत्ति हुई है। इस्लाम की एक ईश्वर की परिकल्पना, खतना, बुतपरस्ती का विरोध, नमाज, हज, रोजा, जकात, सूदखोरी का विरोध, कयामत, कोशर (हराम-हलाल), पवित्र दिन (सब्बाब), उम्माह जैसी सभी बातें यहूदी धर्म से ली गई हैं। पवित्र पवित्र भूमि, धार्मिक ग्रंथ, अंजील, हदीस और ताल्मुद की कल्पना एक ही है। ईसाई और इस्लाम में आदम, हव्वा, इब्राहीम, नूह, दावूद, इसाक, इस्माइल, इल्यास, सोलोमन आदि सभी ऐतिहासिक और महान लोग यहूदी परंपरा से ही है। हजरत अब्राहम को यहूदी, मुसलमान और ईसाई तीनों धर्मों के लोग अपना पितामह मानते हैं। आदम से अब्राहम और अब्राहम से मूसा तक यहूदी, ईसाई और इस्लाम सभी के पैगंबर एक ही है किंतु मूसा के बाद यहूदियों को अपने अगले पैंगबर के आने का अब भी इंतजार है।

आखिर क्या फायदा होगा नैवेद्य अर्पित कर उसे खाने से?

- मन और मस्तिष्क को स्वच्छ, निर्मल और सकारात्मक बनाने के लिए हिन्दू धर्म में कई रीति-रिवाज, परंपरा और उपाय निर्मित किए गए हैं। सकारात्मक भाव से मन शांतचित्त रहता है। शांतचित्त मन से ही व्यक्ति के जीवन के संताप और दुख मिटते हैं।
- जब किसी अन्न को भगवान को समर्पित कर दिया जाता है तो उसमें दिव्यता समाहित हो जाती है। वह और भी पवित्र और गुण वाला बन जाता है, जो हमारे शरीर को पुष्ट करता है। गिलास भर पानी पीने से कहीं अच्चा चरणामृत होता है जो हृदय को सेहतमंद बनाता है।
- लगातार प्रसाद वितरण करते रहने के कारण लोगों के मन में भी आपके प्रति अच्छे भावों का विकास होता है। इससे किसी के भी मन में आपके प्रति राग-द्वेष नहीं पनपता और आपके मन में भी उसके प्रति प्रेम रहता है।
- लगातार भगवान से जुड़े रहने से चित्त की दशा और दिशा बदल जाती है। इससे दिव्यता का अनुभव होता है और जीवन के संकटों में आत्मबल प्राप्त होता है। देवी और देवता भी संकटों के समय साथ खड़े रहते हैं।
- भजन, कीर्तन, नैवेद्य आदि धार्मिक कर्म करने से जहां भगवान के प्रति आस्था बढ़ती है वहीं शांति और सकारात्मक भाव का अनुभव होता रहता है। इससे इस जीवन के बाद भगवान के उस धाम में भगवान की सेवा की प्राप्ति होती है और अगला जीवन और भी अच्छे से शांति व समृद्धिपूर्वक व्यतीत होता है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार अंत में हमें उन्हीं देवी-देवताओं के स्वर्ग, इत्यादि धामों में वास मिलता है जिसकी हम आराधना करते रहते हैं।
- श्रीमद् भगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन के माध्यम से हमें यह भी बताते हैं कि देवी-देवताओं के धाम जाने के बाद फिर पुनर्जन्म होता है अर्थात देवी-देवताओं का भजन करने से, उनका प्रसाद खाने से व उनके धाम तक पहुंचने पर भी जन्म-मृत्यु का चक्र खत्म नहीं होता है। (श्रीगीता 8/16)।

कितने प्रकार के होते हैं भूत

हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। उक्त सभी के उप भाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। इसी तरह जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसुता, स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंवारी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी करते हैं। इनसभी की उत्पति अपने पापों, व्याभिचार से, अकाल मृत्यु से या श्राद्ध न होने से होती है।

पुरुषों का भूत - हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया गया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। सभी को यम के अधीन रहना होता है। आर्यमा नामक देवता को पितरों का अधिपति कहा गया है, जो चंद्रमंडल में रहते हैं। उक्त सभी के उपभाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है, तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। प्रेत योनि में जाने वाले लोग अदृश्य और बलवान हो जाते हैं। सभी मरने वाले इसी योनि में नहीं जाते और सभी मरने वाले अदृश्य तो होते हैं, लेकिन बलवान नहीं होते। यह आत्मा के कर्म और गति पर निर्भर करता है। बहुत से भूत या प्रेत योनि में न जाकर पुन: गर्भधारण कर मानव बन जाते हैं। पितृ पक्ष में हिन्दू अपने पितरों का तर्पण करते हैं। इससे सिद्ध होता है कि पितरों का अस्तित्व आत्मा अथवा भूत-प्रेत के रूप में होता है। गरूड़ पुराण में भूत-प्रेतों के विषय में विस्तृत वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत पुराण में भी धुंधकारी के प्रेत बन जाने का वर्णन आता है।

स्त्री का भूत - हालांकि स्त्री और पुरुष एक शरीरिक विभाजन है तथा आत्मिक तौर पर कोई स्त्री और पुरुष नहीं होता। लेकिन जिसके चित्त की दशा जैसी होती है उसे वैसी योनि प्राप्त होती है। यदि कोई आत्मा स्त्री बनकर रही है तो वह खुद को अनंतकाल तक स्त्री ही महसूस करते हुए अन्य योनियां धारण करेगी। खैर! जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसूता स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंआरी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी कहते हैं। इन सभी की उत्पत्ति अपने पापों, व्यभिचार, अकाल मृत्यु या श्राद्ध न होने से होती है।

प्रेतबाधा : भूतादि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान उसके स्वभाव एवं क्रिया में आए बदलाव से की जाती है। अलग-अलग स्वभाव में परिवर्तन के अनुसार जाना जाता है कि व्यक्ति कौन से भूत से पीड़ित है।

भूत पीड़ा : यदि किसी व्यक्ति को भूत लग गया है, तो वह पागल की तरह बात करने लगता है। मूढ़ होने पर भी वह किसी बुद्धिमान पुरुष जैसा व्यवहार भी करता है। गुस्सा आने पर वह कई व्यक्तियों को एक साथ पछाड़ सकता है। उसकी आंखें लाल हो जाती हैं और देह में सदा कंपन बना रहता है।

पिशाच पीड़ा : पिशाच प्रभावित व्यक्ति सदा खराब कर्म करना है, जैसे नग्न हो जाना, नाली का पानी पीना, दूषित भोजन करना, कटु वचन कहना आदि। वह सदा गंदा रहता है और उसकी देह से बदबू आती है। वह एकांत चाहता है। इससे वह कमजोर होता जाता है।

प्रेत पीड़ा : प्रेत से पीड़ित व्यक्ति चिल्लाता और इधर-उधर भागता रहता है। वह किसी का कहना नहीं सुनता। वह हर समय बुरा बोलता रहता है। वह खाता-पीता नही हैं और जोर-जोर से श्वास लेता रहता है।

शाकिनी पीड़ा : शाकिनी से ज्यादातर महिलाएं ही पीड़ित रहती हैं। ऐसी महिला को पूरे बदन में दर्द बना रहता है और उसकी आंखों में भी दर्द रहता है। वह अक्सर बेहोश भी हो जाती है। कांपते रहना, रोना और चिल्लाना उसकी आदत बन जाती है।

चुड़ैल पीड़ा : चुड़ैल भी ज्यादातर किसी महिला को ही लगती है। ऐसी महिला यदि शाकाहारी भी है तो मांस खाने लग जाएगी। वह कम बोलती, लेकिन मुस्कुराती रहती है। ऐसी महिला कब क्या कर देगी? कोई भरोसा नहीं।

यक्ष पीड़ा : यक्ष से पीड़ित व्यक्ति लाल रंग में रुचि लेने लगता है। उसकी आवाज धीमी और चाल तेज हो जाती है। वह ज्यादातर आंखों से इशारे करता रहता है। इसकी आंखें तांबे जैसी और गोल दिखने लगती हैं।

ब्रह्मराक्षस पीड़ा : जब किसी व्यक्ति को ब्रह्मराक्षस लग जाता है, तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही शक्तिशाली बन जाता है। वह हमेशा खामोश रहकर अनुशासन में जीवन-यापन करता है। इसे ही 'जिन्न' कहते हैं। ये बहुत सारा खाना खाते हैं और घंटों तक एक जैसी ही अवस्था में बैठे या खड़े रहते हैं। जिन्न से ग्रस्त व्यक्ति का जीवन सामान्य होता है। ये घर के किसी सदस्य को परेशान भी नहीं करते हैं, बस अपनी ही मस्ती में मस्त रहते हैं। जिन्नों को किसी के शरीर से निकालना अत्यंत ही कठिन होता है।

इस तरह से और भी कई तरह के भूत होते हैं जिनके अलग-अलग लक्षण और लक्ष्य होते हैं। उपरोक्त जानकारी शास्त्रों के आधार है।

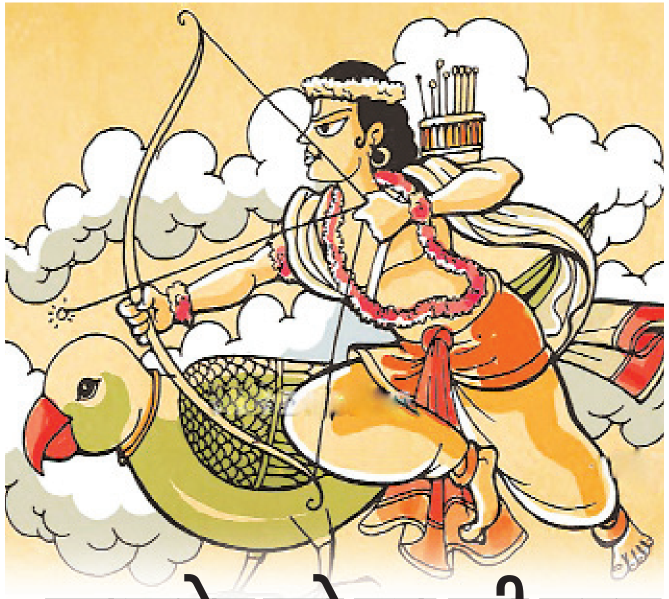

कामदेव को पुत्र की तरह पालने के बाद रति ने उनसे कर लिया विवाह

जिस तरह पश्चिमी देशों में क्यूपिड और यूनानी देशों में इरोस को प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह हिन्दू धर्मग्रंथों में कामदेव को प्रेम और आकर्षण का देवता कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कामदेव भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के पुत्र हैं। उनका विवाह रति नाम की देवी से हुआ था, जो प्रेम और आकर्षण की देवी मानी जाती है। कुछ कथाओं में यह भी उल्लिखित है कि कामदेव स्वयं ब्रह्माजी के पुत्र हैं और इनका संबंध भगवान शिव से भी है। कुछ जगह पर धर्म की पत्नी श्रद्धा से इनका आविर्भाव हुआ माना जाता है। जोभी हो हम एक रोचक पौराणिक कथा पढ़ते हैं। कामदेव को सुनहरे पंखों से युक्त एक सुंदर नवयुवक की तरह प्रदर्शित किया गया है जिनके हाथ में धनुष और बाण हैं। ये तोते के रथ पर मकर (एक प्रकार की मछली) के चिह्न से अंकित लाल ध्वजा लगाकर विचरण करते हैं। वैसे कुछ शास्त्रों में हाथी पर बैठे हुए भी बताया गया है। वसंत ऋतु के देवता कामदेव की पूजा वसंत पंचमी की जाती है। उनके कई नाम है जिममें से मदन की प्रसिद्ध है। असम में है उनका खास मंदिर। मदन-कामदेव मंदिर को 'असम का खजुराहो' के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर घने जंगलों के भीतर पेड़ों से छुपा हुआ है। कहते हैं कि भगवान शंकर द्वारा तृतीय नेत्र खोलने पर भस्म हो गए कामदेव का इस स्थान पर पुनर्जन्म तथा उनकी पत्नी रति के साथ पुन: मिलन हुआ था।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक समय ब्रह्माजी प्रजा वृद्धि की कामना से ध्यानमग्न थे। उसी समय उनके अंश से तेजस्वी पुत्र काम उत्पन्न हुआ और कहने लगा कि मेरे लिए क्या आज्ञा है? तब ब्रह्माजी बोले कि मैंने सृष्टि उत्पन्न करने के लिए प्रजापतियों को उत्पन्न किया था किंतु वे सृष्टि रचना में समर्थ नहीं हुए इसलिए मैं तुम्हें इस कार्य की आज्ञा देता हूं। यह सुन कामदेव वहां से विदा होकर अदृश्य हो गए। यह देख ब्रह्माजी क्रोधित हुए और शाप दे दिया कि तुमने मेरा वचन नहीं माना इसलिए तुम्हारा जल्दी ही नाश हो जाएगा। शाप सुनकर कामदेव भयभीत हो गए और हाथ जोड़कर ब्रह्माजी के समक्ष क्षमा मांगने लगे। कामदेव की अनुनय-विनय से ब्रह्माजी प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें रहने के लिए 12 स्थान देता हूं- स्त्रियों के कटाक्ष, केश राशि, जंघा, वक्ष, नाभि, जंघमूल, अधर, कोयल की कूक, चांदनी, वर्षाकाल, चैत्र और वैशाख महीना। इस प्रकार कहकर ब्रह्माजी ने कामदेव को पुष्प का धनुष और 5 बाण देकर विदा कर दिया।

इन पांच बाणों के नाम हैं- 1.मारण, 2.स्तम्भन, 3.जृम्भन, 4.शोषण, 5.उम्मादन (मन्मन्थ)। उनका धनुष मिठास से भरे गन्ने का बना होता है जिसमें मधुमक्खियों के शहद की रस्सी लगी है। उनके धनुष का बाण अशोक के पेड़ के महकते फूलों के अलावा सफेद, नीले कमल, चमेली और आम के पेड़ पर लगने वाले फूलों से बने होते हैं। ब्रह्माजी से मिले वरदान की सहायता से कामदेव तीनों लोकों में भ्रमण करने लगे और भूत, पिशाच, गंधर्व, यक्ष सभी को काम ने अपने वशीभूत कर लिया। फिर मछली का ध्वज लगाकर कामदेव अपनी पत्नी रति के साथ संसार के सभी प्राणियों को अपने वशीभूत करने बढ़े। इसी क्रम में वे शिवजी के पास पहुंचे। भगवान शिव तब तपस्या में लीन थे तभी कामदेव छोटे से जंतु का सूक्ष्म रूप लेकर कर्ण के छिद्र से भगवान शिव के शरीर में प्रवेश कर गए। इससे शिवजी का मन चंचल हो गया। उन्होंने विचार धारण कर चित्त में देखा कि कामदेव उनके शरीर में स्थित है। इतने में ही इच्छा शरीर धारण करने वाले कामदेव भगवान शिव के शरीर से बाहर आ गए और आम के एक वृक्ष के नीचे जाकर खड़े हो गए। फिर उन्होंने शिवजी पर मोहन नामक बाण छोड़ा, जो शिवजी के हृदय पर जाकर लगा। इससे क्रोधित हो शिवजी ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से उन्हें भस्म कर दिया। कामदेव को जलता देख उनकी पत्नी रति विलाप करने लगी। तभी आकाशवाणी हुई जिसमें रति को रुदन न करने और भगवान शिव की आराधना करने को कहा गया। फिर रति ने श्रद्धापूर्वक भगवान शंकर की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो शिवजी ने कहा कि कामदेव ने मेरे मन को विचलित किया था इसलिए मैंने इन्हें भस्म कर दिया। अब अगर ये अनंग रूप में महाकाल वन में जाकर शिवलिंग की आराधना करेंगे तो इनका उद्धार होगा। तब कामदेव महाकाल वन आए और उन्होंने पूर्ण भक्तिभाव से शिवलिंग की उपासना की। उपासना के फलस्वरूप शिवजी ने प्रसन्न होकर कहा कि तुम अनंग, शरीर के बिन रहकर भी समर्थ रहोगे। कृष्णावतार के समय तुम रुक्मणि के गर्भ से जन्म लोगे और तुम्हारा नाम प्रद्युम्न होगा।

श्रीकृष्ण और कामदेव

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण को भी कामदेव ने अपने नियंत्रण में लाने का प्रयास किया था। कामदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से यह शर्त लगाई कि वे उन्हें भी स्वर्ग की अप्सराओं से भी सुंदर गोपियों के प्रति आसक्त कर देंगे। श्रीकृष्ण ने कामदेव की सभी शर्त स्वीकार की और गोपियों संग रास भी रचाया लेकिन फिर भी उनके मन के भीतर एक भी क्षण के लिए वासना ने घर नहीं किया।

रति ने पाला कामदेव को पुत्र की तरह फिर उनसे कर लिया विवाह

जब शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया तब ये देख रति विलाप करने लगी तब जाकर शिव ने कामदेव के पुन: कृष्ण के पुत्र रूप में धरती पर जन्म लेने की बात बताई। शिव के कहे अनुसार भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि को प्रद्युम्न नाम का पुत्र हुआ, जो कि कामदेव का ही अवतार था। कहते हैं कि श्रीकृष्ण से दुश्मनी के चलते राक्षस शंभरासुर नवराज प्रद्युम्न का अपहरण करके ले गया और उसे समुद्र में फेंक आया। उस शिशु को एक मछली ने निगल लिया और वो मछली मछुआरों द्वारा पकड़ी जाने के बाद शंभरासुर के रसोई घर में ही पहुंच गई। तब रति रसोई में काम करने वाली मायावती नाम की एक स्त्री का रूप धारण करके रसोईघर में पहुंच गई। वहां आई मछली को उसने ही काटा और उसमें से निकले बच्चे को मां के समान पाला-पोसा। जब वो बच्चा युवा हुआ तो उसे पूर्व जन्म की सारी याद दिलाई गई। इतना ही नहीं, सारी कलाएं भी सिखाईं तब प्रद्युम्न ने शंभरासुर का वध किया और फिर मायावती को ही अपनी पत्नी रूप में द्वारका ले आए।

मुद्गल पुराण के अनुसार कामदेव का वास यौवन, स्त्री, सुंदर फूल, गीत, पराग कण या फूलों का रस, पक्षियों की मीठी आवाज, सुंदर बाग-बगीचों, वसंत ऋतु, चंदन, काम-वासनाओं में लिप्त मनुष्य की संगति, छुपे अंग, सुहानी और मंद हवा, रहने के सुंदर स्थान, आकर्षक वस्त्र और सुंदर आभूषण धारण किए शरीरों में रहता है। इसके अलावा कामदेव स्त्रियों के शरीर में भी वास करते हैं, खासतौर पर स्त्रियों के नयन, ललाट, भौंह और होठों पर इनका प्रभाव काफी रहता है।

कामदेव मंत्र

कामदेव के बाण ही नहीं, उनका 'क्लीं मंत्र' भी विपरीत लिंग के व्यक्ति को आकर्षित करता है। कामदेव के इस मंत्र का नित्य दिन जाप करने से न सिर्फ आपका साथी आपके प्रति शारीरिक रूप से आकर्षित होगा बल्कि आपकी प्रशंसा करने के साथ-साथ वह आपको अपनी प्राथमिकता भी बना लेगा। कहा जाता है कि प्राचीनकाल में वेश्याएं और नर्तकियां भी इस मंत्र का जाप करती थीं, क्योंकि वे अपने प्रशंसकों के आकर्षण को खोना नहीं चाहती थीं। ऐसा माना जाता है कि इस मंत्र का लगातार जाप करते रहने की वजह से उनका आकर्षण, सौंदर्य और कांति बरकरार रहती थी।

रूस में दवा की कमी नहीं: मुराशको

मास्को। रूस के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराशको ने कहा है कि रूस में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कोई कमी नहीं है तथा सभी संभावित मुद्दों को जल्दी से हल करने के लिए तंत्र विकसित कर लिया गया है।श्री मुराशको ने कहा कि रूस में चिकित्सा उपकरणों और दवाओं की कोई वैश्विक कमी नहीं है , यदि कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो हमने ऐसे तंत्र विकसित किए हैं जो जल्दी और प्रभावी रूप से हर चीज की भरपाई करेंगे।उन्होंने कहा कि रूस में नई प्रयोगशालाएं और उत्पादन सुविधाएं उभर रही हैं और स्वास्थ्य मंत्रालय कई नए उत्पादन स्थलों का निर्माण कर रहा है।उन्होंने कहा कि इस साल, स्वास्थ्य मंत्रालय विभिन्न दवाओं, सेल प्रौद्योगिकियों और नई परीक्षण प्रणालियों के लिए उत्पादन स्थलों पर काम कर रहा है।

बाइडन ने मिसिसिपी को मदद का वादा किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मिसीसिपी राज्य को मदद देने का वादा किया है। मिसीसिपी में आए विनाशकारी तूफान के कारण 24 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है।श्री बाइडन ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि मिसिसिपी की तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। जबकि हम अभी भी नुकसान का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि इस तूफान में कई लोगों ने अपने घरों और व्यवसायों को खो दिया है।उन्होंने विनाशकारी तूफान से प्रभावित सभी लोगों और आपातकालीन कर्मियों को मदद देने का वादा किया।उन्होंने कहा कि मैं आज अपनी संवेदना व्यक्त करने मिसिसिपी के गवर्नर टेट रीव्स के पास पहुंचा और इस तूफान के प्रभाव से उबरने के लिए पूर्ण संघीय समर्थन की पेशकश करने के लिए बात की।वाशिंगटन पोस्ट ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की रात मिसिसिपी और अलबामा में आए तूफान से मरने वालों की संख्या 26 थी।मिसिसिपी आपात प्रबंधन एजेंसी (एमईएमए) ने शनिवार को पहले कहा था कि मरने वालों की संख्या 23 है तथा चार लोग लापता हैं।

सैंट-सोलाइन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच संघर्ष में दो सौ लोग घायल

पेरिस। फ्रांस के पश्चिमी कम्यून सैंट-सोलाइन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुए संघर्ष में कम से कम 200 लोग घायल हो गये हैं।बीएफएमटीवी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।फ्रांस की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कृषि जरूरतों के लिए एक बड़े जलाशय के निर्माण के खिलाफ शनिवार को सैंट-सोलाइन में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मोलोटोव कॉकटेल का इस्तेमाल किया और कम से कम चार पुलिस वाहनों में आग लगा दी।फ्रांस के आंतरिक मंत्रालय के अनुसार संघर्ष में 35 से अधिक पुलिस अधिकारी घायल हो गए।बीएफएमटीवी ने कहा कि सैंट-सोलाइन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच संघर्ष के दौरान लगभग 200 लोग घायल हो गए।स्थानीय किसान बड़े जलाशय के निर्माण के खिलाफ हैं। यह जलाशय 16 छोटे जलाशयों को जोड़ देगा और इससे बड़े पैमाने पर कृषि उत्पादन को लाभ होगा, जबकि छोटे खेतों को पानी के बिना छोड़ दिया जाएगा।

अमेरिका के मिसीसिपिया में आए तूफान, बवंडर से 23 लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के मिसीसिपी राज्य में शक्तिशाली तूफान और बवंडर से कम से कम 23 लोगों की मौत हो गयी।मिसिसिपी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने ट्वीट किया, हम पिछली रात के बवंडर के कारण 23 लोगों के मारे जाने, कई लोगों के घायल होने और चार के लापता होने की पुष्टि कर सकते हैं।एजेंसी ने लिखा, दुर्भाग्य से इन इस संख्या में बदलाव होने की आशंका है। कई स्थानीय और संघीय राहत एवं बचाव दल आज सुबह से काम कर रहे हैं।अमेरिका के मौसम विभाग के अनुसार, सिल्वर सिटी और रोलिंग फोर्क के क्षेत्र में बवंडर के साथ शुक्रवार देर रात मिसिसिपी में तूफान आया।मौसम विभाग ने ने शनिवार सुबह ट्वीट किया, +सपाई पहले से ही चल रही है क्योंकि विनाशकारी तूफान ने रात भर दक्षिण को प्रभावित किया। कृपया सावधान रहें। तूफान आगे बढ़ने के बाद भी खतरे बने हुए हैं।मिसिसिपी के गवर्नर टेट रीव्स ने कहा कि प्रभावित लोगों के लिए अधिक एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवा की आपूर्ति के लिए राज्य ने चिकित्सा सहायता को सक्रिय कर दिया है।

उन्होंने कहा, राहत एवं बचाव सक्रिय हैं।मैंस की रिपोर्ट देखें और पूरी रात सतर्क रहें, मिसिसिपी !

अमेरिका: भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शनकारी खालिस्तान समर्थकों ने पीटीआई पत्रकार पर किया हमला

वॉशिंगटन। वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर रहे खालिस्तान समर्थकों ने प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के एक पत्रकार पर हमला किया और उन्हें धमकाया। इस घटना को लेकर भारतीय मिशन ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई और कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां इन अलगाववादियों की हिंसक एवं असामाजिक प्रवृत्तियों को रेखांकित करती हैं।अमेरिका में पीटीआई के पत्रकार ललित के झा खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनों को कवर कर रहे थे, उसी समय यह घटना हुई, लेकिन 'अमेरिका सीक्रेट सर्विस' और स्थानीय पुलिस ने समय पर हस्तक्षेप कर कोई अप्रिय घटना होने से रोक लिया।भारतीय दूतावास ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''हमने आज वाशिंगटन डीसी में तथाकथित 'खालिस्तान प्रदर्शन' को कवर करने के दौरान प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के एक वरिष्ठ भारतीय पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार किए जाने, उन्हें धमकाए जाने और उन पर हमले किए जाने के व्यथित करने वाले वीडियो देखे।''बयान में कहा गया, ''हमारी समझ के अनुसार, पत्रकार को पहले धमकाया गया, फिर उन पर शारीरिक हमला किया गया और अपनी सुरक्षा को खतरे की आशंका में पत्रकार को कानून प्रवर्तन एजेंसी को बुलाना पड़ा, जिन्होंने तत्काल कार्रवाई की।''इसमें कहा गया है, ''इस तरह की गतिविधियां उन तथाकथित 'खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों' और उनके समर्थकों की हिंसक और असामाजिक प्रवृत्ति को रेखांकित करती हैं, जो हिंसक और बर्बरतापूर्ण घटनाओं में नियमित रूप से शामिल रहते हैं।''भारतीय मिशन ने मामले में त्वरित कार्रवाई करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसी को धन्यवाद दिया।प्रदर्शनकारियों ने न केवल कैमरे के सामने आकर पीटीआई के पत्रकार के चेहरे के सामने खालिस्तान का झंडा रखकर उन्हें रोका और उन्हें धक्का दिया, बल्कि उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी।भारतीय अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने ट्वीट किया, ''ललित के झा पर यह हिंसा निंदनीय और पत्रकारिता पर हमला है। मैं इसकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। ललित सबसे निष्पक्ष और विचारशील पत्रकारों में से एक हैं। ललित, रजानयिकों और दूतावास की सुरक्षा करने के लिए आपका शुक्रिया।''

शहबाज शरीफ के खिलाफ अवमानना याचिका दायर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा और अन्य के खिलाफ पंजाब में चुनाव कराने के आदेश का उल्लंघन करने के लिए न्यायालय की अवमानना याचिका दायर की गई है। मीडिया में रविवार को आयी रिपोर्टों में यह जानकारी दी। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने बुधवार को पंजाब में आगामी चुनावों को स्थगित करने की घोषणा की, जो पहले 30 अप्रैल को होने वाले थे। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पीटीआई ने चुनावी निकाय के फैसले का स्वागत किया, हालांकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इसे खारिज कर दिया और शीर्ष अदालत में चुनौती दी। अधिवक्ता जी एम चौधरी ने संविधान के अनुच्छेद 204 के तहत शीर्ष अदालत में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता ने प्रधानमंत्री, सीईसी, ईसीपी सदस्य, पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री सैयद मोहसिन रजा नकवी और मुख्य सचिव को प्रतिवादी बनाया। उन्होंने दायर याचिका में कहा कि प्रतिवादियों ने 01 मार्च, 2023 के शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लंघन किया है, जो मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 204 के संदर्भ में शीर्ष अदालत की अवमानना है। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिवादी मुख्य चुनाव आयुक्त ने ईसीपी के चार अन्य सदस्यों के साथ 22 मार्च, 2023 को एक आदेश जारी किया, जिसमें विभिन्न कारणों और स्थितियों की ओर इशारा किया गया था, जो स्पष्ट विवरण हैं।

नेपाल: तीन संसदीय सीटों पर उप चुनाव को लेकर रस्साकशी शुरू

काठमांडू। एजेंसी

नेपाल में 23 अप्रैल को रिक्त तीन संसदीय सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की सक्रियता बढ़ गई है। कुछ उम्मीदवार पहले ही निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं, जबकि अन्य ने अपने दलों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर टिकट का दावा किया है।

चुनाव आयोग ने पहले ही तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में 23 अप्रैल को चुनाव निर्धारित कर दिया है। प्रत्याशियों के लिए नामांकन की तिथि तीन अप्रैल निर्धारित की गयी है।

तनहूं 1, बारा 2 और चितवन 2 की सांसद सीट खाली हैं। 20 नवंबर को हुए संसदीय चुनाव में तनहूं 1 से जीतकर आए रामचंद्र पौडेल राष्ट्रपति बने और बारा 2 से

जीते रामसहाय प्रसाद यादव उप राष्ट्रपति बने, दोनों सीटें खाली हैं। नागरिकता मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चितवन 2 से जीते राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछने की सांसद पद से मुक्त कर दिया गया।

तीनों क्षेत्रों में सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष द्वारा नामित उम्मीदवार को लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है। सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से तनहूं 1 में कांग्रेस और बारा 2 में जनता समाजवादी पार्टी का उम्मीदवार बनना लगभग तय हो गया है।बारा 2 में जसपा के अध्यक्ष उपेंद्र यादव उम्मीदवार बनने की तैयारी में हैं। इससे पहले 20 नवंबर को हुई संसदीय चुनाव में सप्तरी 2 से उठे अध्यक्ष यादव को जनमत पार्टी के अध्यक्ष सिके राउत ने हराया था। उनके संसद पहुंचने के लिए रामसहाय यादव को उपराष्ट्रपति बनाकर एमपी की सीट खाली करने का मुद्दा जोर शोर से उठाया जा रहा है।

चितवन 2 में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछने, जो पहले सांसद पद से बर्खास्त हो चुके थे, नागरिकता प्राप्ति के बाद फिर उम्मीदवार बन रहे हैं। चितवन में उसकी सक्रियता बढ़ गई है। तीनों उपचुनाव में मुख्य दल जाने-माने लोगों को आगे बढ़ाने की तैयारी में हैं। इस उप चुनाव को नई सरकार बनने के बाद पार्टियों की परीक्षा के तौर पर भी देखा जा रहा है।

बेलारूस में सामरिक परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस: पुतिन

मॉस्को। एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को पड़ोसी देश बेलारूस में सामरिक परमाणु हथियारों की तैनाती करने की अपनी योजना की घोषणा की।

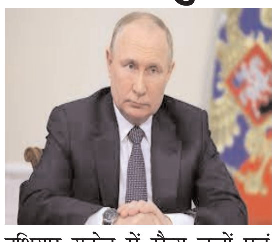

इस घोषणा को यूक्रेन में सैन्य सहयोग बढ़ा रहे पश्चिमी देशों के लिए चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। अधिक शक्तिशाली, लंबी दूरी के रणनीतिक परमाणु हथियारों के विपरीत सामरिक परमाणु हथियारों का उद्देश्य युद्ध के मैदान में उपयोग करना होता है।पुतिन ने कहा कि यह योजना यूक्रेन को 'डिप्लेटेड यूरेनियम' वाला गोला-बारूद देने की ब्रिटेन की योजना की जवाबी प्रतिक्रिया है। पुतिन ने पहले दावा किया था कि ये गोला-बारूद परमाणु घटक से लैस हैं। बहरहाल, उन्होंने बाद में अपने लहजे को नरम किया, लेकिन रूस के नेता ने शनिवार रात एक सरकारी टेलीविजन चैनल पर प्रसारित साक्षात्कार में कहा कि ये हथियार यूक्रेन में सैन्य बलों एवं असैन्य नागरिकों के लिए अतिरिक्त खतरा पैदा करते हैं।पुतिन ने कहा कि बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) देशों से घिरे होने के कारण काफी समय से इन हथियारों की मांग कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि बेलारूस में इन हथियारों के भंडारण के लिए उचित ढांचों का निर्माण एक जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा।रूस ने यूक्रेन में सेना भेजने के लिए बेलारूस के क्षेत्र का इस्तेमाल किया है। कीव पर आक्रमण के बीच मॉस्को और मिन्स्क ने करीबी सैन्य संबंध बरकरार रखे हैं।

होंडुरास ने ताइवान के साथ राजनयिक संबंध समाप्त किए: चीन

बीजिंग। चीन ने रविवार को बताया कि होंडुरास ने ताइवान के साथ राजनयिक संबंध समाप्त कर दिए हैं और इसी के साथ लातिन अमेरिकी देश के बीजिंग के साथ औपचारिक संबंध स्थापित करने का रास्ता साफ हो गया है।चीन के सरकारी मीडिया 'सीसीटीवी' ने बताया कि होंडुरास के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इस संबंध में घोषणा की। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब स्वशासित ताइवान को लेकर चीन के बढ़ते आक्रामक रुख समेत कई मामलों पर चीन एवं अमेरिका के बीच तनाव बढ़ रहा है। इस कदम के बाद ताइवान को संप्रभु देश मानने वाले देशों की संख्या कम होकर केवल 13 रह गई है।साई इंग वेन के मई 2016 में राष्ट्रपति बनने के बाद से ताइपे ने अपना नौवां राजनयिक सहयोगी गंवाया है।चीन की सत्तारूढ़ सरकार का दावा है कि ताइवान उसके राष्ट्रीय क्षेत्र का हिस्सा है।

होंडुरास ने ताइवान के साथ रिश्ते समाप्त करने के बाद चीन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए

बीजिंग। होंडुरास ने ताइवान के साथ संबंध समाप्त करने के बाद होंडुरास के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। ताइवान को अब वेटिकन सिटी समेत केवल 13 संप्रभु देश मान्यता देते हैं।चीन के सरकारी मीडिया 'सीसीटीवी' ने होंडुरास के साथ संबंधों को लेकर यह घोषणा की। इससे पहले होंडुरास और ताइवान सरकारों ने अलग-अलग घोषणा की कि वे संबंधों को समाप्त कर रहे हैं।होंडुरास के विदेश मंत्रालय ने ट्विटर पर जारी एक बयान में कहा, ''होंडुरास गणराज्य की सरकार दुनिया में केवल एक चीन के अस्तित्व को मान्यता देती है और चीन सरकार एकमात्र वैध सरकार है जो पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करती है।''उसने कहा, ''ताइवान चीनी क्षेत्र का एक अविभाज्य हिस्सा है और होंडुरास सरकार ने राजनयिक संबंधों को समाप्त करने के बारे में ताइवान को सूचित किया है। उसने ताइवान के साथ कोई आधिकारिक संबंध या संपर्क स्थापित नहीं करने का संकल्प लिया।''ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वु ने रविवार को बताया कि ताइवान ने ''अपनी संप्रभुता एवं गरिमा की रक्षा'' के लिए होंडुरास के साथ अपने संबंधों को समाप्त कर लिया है।ताइवान के राष्ट्रपति के कार्यालय की प्रवक्ता ओलिविया लिन ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों के बीच संबंध 80 साल से अधिक समय तक रहे।उन्होंने कहा, ''चीन लंबे समय से ताइवान के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थान को कमतर करता आया है और वह एकतरफा रूप से क्षेत्र की शांति एवं स्थिरता को खतरे में डालता है।''होंडुरास के साथ संबंधों को लेकर यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब स्वशासित ताइवान को लेकर चीन के बढ़ते आक्रामक रुख समेत कई मामलों पर चीन एवं अमेरिका के बीच तनाव बढ़ रहा है। इस कदम के बाद ताइवान को संप्रभु देश मानने वाले देशों की संख्या कम होकर केवल 13 रह गई है।

खालिस्तान समर्थकों ने वाशिंगटन में भारतीय दूतावास पर हिंसा भड़काने की कोशिश की

वाशिंगटन। एजेंसी

खालिस्तान समर्थकों का एक समूह यहां भारतीय दूतावास के सामने एकत्र हुआ और हिंसा भड़काने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की 'सीक्रेट सर्विस' और स्थानीय पुलिस के समय पर हस्तक्षेप करने से लंदन और सैन फ्रांसिस्को के मिशन पर हुई घटनाओं को फिर होने से रोक दिया गया।

वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के पास अलगाववादी सिख शनिवार को एकत्र हुए और उन्होंने अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के खिलाफ अपशब्द कहे और उन्हें सार्वजनिक रूप से धमकी दी। प्रदर्शन के समय संधू दूतावास में नहीं थे।

प्रदर्शन स्थल पर कुछ प्रदर्शनकारी अन्य प्रदर्शनकारियों को हिंसा में शामिल होने और इमारत की खिड़कियां एवं शीशे तोड़ने के लिए भड़काते देखे गए। चीजें नियंत्रण से बाहर हो सकने की आशंका के मद्देनजर सीक्रेट सर्विस और स्थानीय पुलिस ने अतिरिक्त बलों को तुरंत तैनात किया और कम से कम तीन पुलिस वैन दूतावास के सामने खड़ी की गईं।

एक समय, पांच प्रदर्शनकारियों ने तेजी से सड़क पार की और वे दूतावास के पास उस खंभे तक पहुंच गए, जिस पर तिरंगा था, लेकिन सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने तुरंत वहां पहुंचकर उनसे प्रदर्शन के लिए तय क्षेत्र में जाने को कहा।ऐसा प्रतीत हो रहा था कि प्रदर्शनकारी सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास और लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में भारतीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाएं करने के इरादे से आए थे।एक पत्रकार ने अलगाववादियों को लकड़ी के डंडों के दो गट्ठे लाते देखा, जो दूतावास के सामने महात्मा गांधी की प्रतिमा वाले उद्यान में रखे गए थे।

बदहाल पाकिस्तान को कर्ज देने के लिए आईएमएफ ने फिर रखी नई शर्त

आईएमएफ ने अगला कदम उठाने से पहले बाहरी वित्तीय आश्वासन की मांग की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली के बीच कर्ज देने के लिए आईएमएफ ने पाकिस्तान के आगे एक नई शर्त रख दी है। आईएमएफ ने अब इस्लामाबाद को बेलआउट किश्त जारी करने के लिए अगला कदम उठाने से पहले बाहरी वित्तीय आश्वासन की मांग की है।एक रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ और पाकिस्तान के बीच जिस फंड को लेकर बातचीत हो रही है, वह 6.5 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज का हिस्सा है, जिसे 2019 में मंजूर किया गया था। यह फंड पाकिस्तान को

डिफॉल्ट होने से बचा सकता है। पाकिस्तानी वित्त मंत्री इशाक डार कहना है कि इसे 5 अरब डॉलर के करीब होना चाहिए।

जियो न्यूज की खबर के अनुसार, यह समझौता पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ने के लिए अन्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय फंडिंग के रास्ते भी खोलेगा।एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए आईएमएफ की रणनीतिक संचार निदेशक जूली कोजैक ने कहा कि अधिकारियों के प्रयासों और समीक्षा को सफल बनाने के लिए बाहरी भागीदारों से समय पर वित्तीय सहायता महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि कुछ बचे हुए बिंदुओं के पूरे होने के बाद एक स्टाफ लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) होगा।

भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी स्वतंत्रता सेनानी मूसी मूला का निधन

जोहानिसबर्ग। एजेंसी

भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी स्वतंत्रता सेनानी मूसा 'मूसी' मूला का शनिवार को निधन हो गया। वह लंबे वक्त से बीमार थे। वह 88 वर्ष के थे।

छोटे से शहर क्रिस्टियाना में जन्मे मूला ने 'ट्रांसवाल इंडियन कांग्रेस' (टीआईसी) की युवा शाखा के लिए काम करते समय रंगभेद का विरोध करने वाले पोस्टर गुप्त रूप से लगाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

बाद में मूला को टीआईसी के कार्यकारी के रूप में चुना गया था। उन्होंने इसके पूर्णकालिक आयोजक के रूप में भी सेवा दी थी।

मूला को कई बार गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था लेकिन वह और तीन अन्य 'मार्शल स्क्वायर' थाने से भाग गए थे।गैर कानूनी तरीके से दक्षिण अफ्रीका छोड़ने के बाद मूला दार-एस-सलाम में अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) के निर्वासित नेताओं के साथ मिल गए।

एएनसी ने 1969 में मूला को तत्कालीन बंबई में तैनात किया था जहां एएनसी का पहला विदेशी मिशन स्थित था।राजनीतिक बंदी के रूप में नेल्सन मंडेला की 27 साल बाद रिहाई के पश्चात 1990 में मूला वतन लौटे।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मीनार-ए-पाकिस्तान पर रैली की

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर को देश के शेष हिस्से से काटने और शहर में कंटेनर लगाने के बावजूद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान शनिवार रात मीनार-ए-पाकिस्तान पर एक बड़ी रैली करने में कामयाब रहे।

देश के मीडिया ने पीएमएल-एन नीत सरकार के 'दबाव' की वजह से कार्यक्रम का प्रसारण नहीं किया। सरकार को सेना का समर्थन हासिल है।

खान ने बुलेट-प्रूफ शीशे के पीछे खड़े होकर रैली को संबोधित किया। खान पर पूर्व में हमला हो चुका है। ऐतिहासिक पार्क में बड़ी संख्या में महिलाएं भी जुटी थीं।

खान की रैली को विफल करने के लिए पुलिस ने मीनार-ए-पाकिस्तान की ओर जाने वाली सभी प्रमुख सड़कों को कंटेनर और अवरोधक लगाकर बंद कर दिया था।इन बाधाओं की वजह से लोग लंबी दूरी पैदल चलकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।इस रैली से पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 2,000 से अधिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तार

करने और प्रताड़ित करने के लिए पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार और उसके आकाओं (परोक्ष तौर पर सेना) को आड़े हाथों लेते हुए इमरान खान ने कहा, + एक बात तो साफ है कि सत्ता में जो भी होगा, उसे आज संदेश जाएगा कि लोगों के जुनून को बाधाओं और कंटेनर से नहीं दबाया जा सकता।उन्होंने सत्ता में बैठे लोगों से कहा कि अगर उनके पास देश को आर्थिक बदहाली से बाहर निकालने के लिए कोई एजेंडा है तो वह (खान) घर बैठने के लिए तैयार हैं।खान ने कहा कि यह भी कहा, + पाकिस्तान में आज सत्ता के गलियारे जिस तरह से बर्ताव कर रहे हैं, उससे लगता है कि देश की एकमात्र समस्या इमरान खान ही है।खान ने आर्थिक समृद्धि के लिए अपनी पार्टी का खाका भी पेश किया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि देश को अपने कर संग्रह और निर्यात में सुधार के लिए मुश्किल फैसले लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'हमारे घर को व्यवस्थित करने के लिए एक बड़ी सर्जरी की जरूरत है। प्रवासी पाकिस्तानी अपने डॉलर देश में लाएंगे बशर्ते उन्हें प्रोत्साहन दिया जाए।उन्होंने कहा कि 22 करोड़ पाकिस्तानियों में से सिर्फ 25 लाख लोग ही कर देते हैं।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख खान ने कहा कि पिछले साल अप्रैल में उनकी सरकार गिराने के बाद देश पर चोरों के गिरोह को थोपा गया है।

उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या ने शतक पूरा कर लिया है और + हो सकता है कि यह संख्या 150 को भी पार कर जाए। इस देश में गरीब अपनी पूरी जिंदगी झूठे मुकदमे लड़ने में गुजार देते हैं। अगर कानून का शासन नहीं होगा तो पाकिस्तान का कोई भविष्य नहीं है।खान ने कहा कि असली आजादी तभी आएगी जब देश में कानून का राज कायम होगा। सत्तर वर्षीय पीटीआई अध्यक्ष खान ने दुनिया भर में भीख मांगने के लिए बावजूद राहत नहीं मिलने पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की आलोचना की।शहबाज पर तंज कसते हुए खान ने कहा, 'पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने कहा था कि यह शहबाज को 40 मिनट तक डांटते थे और यह कोई जवाब नहीं देते थे और धैर्य से सुनते थे।

ऐसा तब होता है जब आप (शहबाज) पिछले दरवाजे से सत्ता में आते हैं।पूर्व क्रिकेटर खान ने कहा कि उन्हें पहली बार वैसा महसूस हुआ जैसा फलस्तीनी महसूस करते हैं। खान ने कहा, + उन्होंने (सरकार ने) मेरे खिलाफ आतंकवाद के 40 मामले दर्ज किए हैं। क्या देश यह मानेगा कि इमरान खान एक आतंकवादी है?खान ने कहा कि सरकार और उनके आकाओं का एकमात्र एजेंडा उन्हें सत्ता में वापस आने से रोकना है।

इमरान ने रैली में की भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एकबार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ करते हुए पाकिस्तान की शाहबाज सरकार को आईना दिखाया। शनिवार देर रात लाहौर स्थित मीनार-ए-पाकिस्तान में इमरान खान ने एक बड़ी रैली को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में महंगाई भारत के मुकाबले तीन गुना ज्यादा है। इमरान खान ने दावा किया कि उनके कार्यकाल के दौरान भारत की मुद्रास्फीति 5.5 फीसदी और पाकिस्तान की 9-10 फीसदी के आसपास थी।

बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस: पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को घोषणा की कि रूस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परमाणु हथियार बेलारूस में तैनात करेगा। रूसी मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यह कदम परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन नहीं करेगा और इसकी तुलना अमेरिका द्वारा यूरोप में अपने हथियारों को तैनात करने से की गई।

संक्षेप खबर

आरएसएस, भाजपा को हराने के लिए सभी राजनीतिक दलों को साथ आना चाहिए : सांसद

कोलकाता। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राज्यसभा सदस्य बिनॉय विश्वम ने दावा किया कि भारत ऐसी स्थिति देख रहा है जहां धुर दक्षिणपंथी राजनीति अति धनवान लोगों के साथ हाथ मिला रही है और ऐसी ताकतों से किसी भी कीमत पर लड़ना जरूरी है।भाकपा नेता ने लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध देश के सभी राजनीतिक दलों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा का विरोध करने तथा उन्हें हराने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वे देश के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।शनिवार को बंगाल प्रांतीय बैंक कर्मचारी संघ के 30वें सम्मेलन के प्रतिनिधि सत्र का उद्घाटन करते हुए विश्वम ने कहा, ''भारत ऐसी स्थिति देख रहा है जहां धुर दक्षिणपंथी राजनीति अति धनवान लोगों के साथ हाथ मिला रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा गठजोड़ लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और संविधान के बुनियादी ढांचे के लिए ''सबसे बड़ा खतरा'' पैदा करता है।

कर्नाटक में पार्टी की सरकार बनने पर मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण बहाल करेंगे: कांग्रेस

बेंगलुरु। कांग्रेस ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सूची में श्रेणी 2बी के तहत मुस्लिमों को मिला आरक्षण खत्म करने के फैसले के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत कर्नाटक सरकार की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि पार्टी के राज्य में सत्ता में आने पर चार प्रतिशत आरक्षण बहाल किया जाएगा। कांग्रेस ने रविवार को घोषणा की कि वह राज्य में पार्टी के सत्ता में आने पर अल्पसंख्यक समुदाय के लिए आरक्षण बहाल करेगी। कर्नाटक में मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को फैसला किया था कि वह मुस्लिम समुदाय को 2बी आरक्षण सूची से हटाए जाने के बाद नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में दिए गए उक्त चार प्रतिशत आरक्षण को वोक्कालिगा और वीरशैव लिंगायत समुदायों में दो-दो प्रतिशत बांट देगी। सरकार ने मुसलमानों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए निर्धारित 10 प्रतिशत आरक्षण में स्थानांतरित कर दिया।कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने कदम को ÷असंवैधानिक÷ करार दिया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ÷वे (सरकार) सोचते हैं कि आरक्षण को संपत्ति की तरह वितरित किया जा सकता है। यह संपत्ति नहीं है। यह (अल्पसंख्यकों का) अधिकार है।शिवकुमार ने कहा, ÷हम नहीं चाहते कि उनके चार प्रतिशत (आरक्षण) को खत्म किया जाए और किसी भी प्रमुख समुदाय को दिया जाए। वे (अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य) हमारे भाई और परिवार के सदस्य हैं।÷ शिवकुमार ने दावा किया, ÷पूरा वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदाय इस प्रस्ताव को खारिज कर रहा है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी ÷अगले 45 दिन÷ में सत्ता में आ जाएगी। उन्होंने कहा, ÷हम इसे निरस्त कर देंगे।÷ शिवकुमार ने कहा कि मुसलमानों को ओबीसी सूची से हटाने का कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार को देखते हुए बोम्मई सरकार ÷संवेदनशील मुद्दे÷ उठाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में आरक्षण बहाल करने का फैसला लिया जाएगा।

राहुल गांधी की सांसद पद से अयोग्य करवाना अमर्यादित कदम : धर्मेंद्र सिंह राठौड़

अजमेर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को लोकसभा से आयोग्य घोषित करने को केंद्र सरकार का असंवैधानिक कदम बताते हुए इसे अमर्यादित कृत्य करार दिया है।अजमेर के गांधी भवन पर आज राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर स्थानीय कांग्रेसियों द्वारा आयोजित %सत्याग्रह% में शामिल होना है। राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ बड़ी साजिश रची गई है जो कि किसी भी कांग्रेसजन को स्वीकार नहीं है। उनकी बर्खास्तगी भारतीय लोकतंत्र पर बड़ा धब्बा है। भाजपा का यह षड्यंत्र लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब नहीं देने के बाद उस पर पर्दा डालने के मकसद से रचा गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।गांधी भवन पर आयोजित सत्याग्रह में मसूदा विधायक राकेश पारीक, अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, नगर निगम में प्रतिपक्ष नेता द्रौपदी कोली, पूर्व विधायक डॉ. गोपाल बाहेती, पूर्व विधायक डॉ. राजकुमार जयपाल, विधानसभा के उम्मीदवार रहे महेंद्र सिंह रलावता व हेमंत भाटी, पूर्व महापौर कमल बाकोलिया, सहित अनेक पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पार्षदगण मौजूद रहे। कमोबेश सभी ने केंद्र सरकार पर तानाशाहीपूर्ण रवैये का आरोप लगाया। अजमेर में सत्याग्रह के आयोजन की खास बात यह रही कि यहां पहली बार राहुल गांधी के नाम पर गहलोत पायलट धड़े के स्थानीय नेता एक जाजम पर नजर आए।

उत्तर प्रदेश पुलिस अतीक अहमद के लिए गुजरात की साबरमति जेल पहुंची

अहमदाबाद। उत्तर प्रदेश पुलिस की एक टीम माफिया एवं राजनेता अतीक अहमद को ले जाने के लिए रविवार को गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती केंद्रीय जेल पहुंची। अतीक इस जेल में जून 2019 में बंद है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, फरवरी में हुई एक हाई-प्रोफाइल हत्या के मुख्य आरोपी अहमद को संभवतः अपने राज्य ले जाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस यहां पहुंची है।पुलिस अधीक्षक (साबरमती जेल) जे एस चावड़ा ने कहा, ÷उत्तर प्रदेश पुलिस दोषी अतीक अहमद (को ले जाने) के लिए साबरमती केंद्रीय जेल में है।÷ चावड़ा ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने अब तक गुजरात पुलिस को आधिकारिक कागजात जमा नहीं किए हैं। अहमद 2005 में तत्कालीन बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी है। उसके खिलाफ उमेश पाल की हत्या के मामले में हाल ही में मुकदमा दर्ज किय गया था। उमेश पाल, राजू पाल की हत्या का मुख्य गवाह था। 24 फरवरी को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

हल्दिया डॉक चुनाव में वामदल और कांग्रेस गठबंधन जीता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुरबा मेदिनीपुर जिले में हल्दिया डॉक संस्थान प्रबंधन समिति के चुनाव में वामदल और कांग्रेस गठबंधन ने सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवारों को हरा दिया है।हाल ही में सागरदिघी विधानसभा उपचुनाव में वामदल समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार बायरन बिस्वास के हाथों टीएमसी उम्मीदवार की हार के बाद शनिवार को डॉक चुनाव में मिली जीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वाम-कांग्रेस गठबंधन ने डॉक चुनाव में 19 में से 19 सीटें जीती हैं। जो पंचायत चुनावों से पहले महत्वपूर्ण हैं।चुनाव प्रक्रिया से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि चुनाव में 737 मतदाताओं में से 694 मतदाताओं ने वाम-कांग्रेस, टीएमसी व्यापार संघ (आईएनटीटीयूसी) और भाजपा समर्थित भारतीय मजदूर संघ के बीच त्रिकोणीय लड़ाई में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस चुनाव में बंदरगाह के स्थायी कर्मचारियों और अधिकारियों ने वोट डाला। बताया जाता है कि तीनों पैनल में कुल उम्मीदवारों की संख्या 58 थी।पिछली बार प्रबंधन समिति की सभी सीटों पर तृणमूल कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, लेकिन उपाध्यक्ष पद पर वाम दलों ने जीत दर्ज की थी। टीएमसी ने 13 साल बाद पहली हार का स्वाद चखा है। डॉक चुनाव दो साल के अंतराल पर होते हैं। हल्दिया डॉक में वामपंथी संघ के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह जीत दिखाती है कि हवा किस तरफ बह रही है। उन्होंने कहा कि यह जीत तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के गढ़ माने जाने वाले पूर्व मेदिनीपुर जिले में आगामी पंचायत चुनावों में वामपंथी और कांग्रेस दोनों के अच्छे प्रदर्शन का संकेत है।हल्दिया डॉक में आईएनटीटीयूसी के एक नेता ने चुनाव परिणामों को ज्यादा महत्व देने से इनकार करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में हल्दिया निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'वामपंथी, कांग्रेस और बीएमएस के बीच टीएमसी उम्मीदवारों को हराने की मौन सहमति थी। इस तरह की साजिशें हर जगह काम नहीं करेंगी।'

जी-20 : पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह की दूसरी बैठक गांधीनगर में 27 को

गांधीनगर। एजेंसी

भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत पर्यावरण एवं जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की दूसरी बैठक गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में सोमवार (27 मार्च) से शुरू होगी। तीन दिवसीय इस बैठक में पर्यावरण, मौसम, आपदा प्रबंधन और ऊर्जा संरक्षण समेत कई मुद्दों पर विचार-विर्मश किया जाएगा। केंद्रीय कपड़ा राज्यमंत्री दर्शना जरदोश और भारत की जी-20 समिट के शेरपा अमिताभ कांत इस बैठक का उद्घाटन करेंगे।

केंद्रीय जल संसाधन विभाग की विशेष सचिव देबाश्री मुखर्जी के मुताबिक इस बैठक में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ और अधिकारी शामिल होंगे, जिसमें विशेष तौर पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की सचिव लीना नंदन, जल शक्ति मंत्रालय की विशेष सचिव देबाश्री, वन समेत कई अधिकारी मौजूद

रहेंगे। इसके अलावा अर्जेन्टीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। बैठक में जल प्रबंधन में श्रेष्ठ प्रेक्टिसेज पर प्रस्तुति दी जाएगी।

विद्युत चालित बस में प्रतिनिधिमंडल को अडालज की वाव, साबरमती केनाल साइफन एवं एस्केप स्ट्रक्चर, साबरमती रिवरफ्रंट दिखाया जाएगा।

इससे पूर्व, जी-20 ईसीएसडब्ल्यूजी की पहली बैठक विगत 09 से 11 फरवरी तक बेंगलुरू में आयोजित की गई थी। इसमें जी-20 समूह के सभी देशों ने भू-क्षरण को रोकने, ईकोसिस्टम की बहाली में तेजी लाने और समृद्ध करने के तीन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, जैव विविधता; एक सतत और जलवायु अनुकूल नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और संसाधन दक्षता तथा चक्रीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य की दिशा में रचनात्मक रूप से काम करने के प्रति रुचि एवं प्रतिबद्धता व्यक्त की थी।

गांधीनगर में होने वाली दूसरी ईसीएसडब्ल्यूजी बैठक इन्हीं मायनों में बेहद अहम समझी जा रही है। इसमें पर्यावरण, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन समेत भविष्य में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही इस बैठक में जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन पर फोकस किया जाएगा।

इस बैठक में वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों के अलावा भविष्य में आने वाली सभी चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन पर विशेष बल दिया जाएगा। भारत को अपनी पारंपरिक जल प्रबंधन प्रथाओं के साथ-साथ मेगा जल परियोजनाओं को डिजाइन करने और कार्यान्वित करने के मामले में तकनीकी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है।

पंतनगर से जयपुर के लिए हवाई सेवा शुरू, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने किया शुभारंभ

हल्द्वानी। एजेंसी

केन्द्रीय रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री ने रविवार को पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचकर पंतनगर से जयपुर होते हुए अहमदाबाद जाने वाली हवाई सेवा इंडिगो फ्लाइट का फीता और केक काटकर शुभारम्भ किया।

इस दौरान केन्द्रीय रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने हल्द्वानी निवासी यात्री एस.लता और बीरपाल सिंह को हवाई टिकट और पुष्प देकर स्वागत किया। उन्होंने हवाई सेवा प्रारम्भ होने पर इंडिगो परिवार को बधाई दी। उन्होंने बताया कि हम पहले से ही प्रयासरत थे कि देश के कोने-कोने तक फ्लाइट चलें, इसी कड़ी में आज जयपुर होते हुए अहमदाबाद के लिये हवाई सेवा को प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने बताया कि जयपुर और उत्तराखंड में पर्यटक बहुत बड़ी संख्या में आते हैं। पर्यटकों के साथ-साथ व्यापारियों और अन्य कारोबारियों को आने-जाने में सुविधा होगी और पर्यटन की दृष्टि से प्रदेश की चहुंमुखी उन्नति भी होगी।

उन्होंने बताया कि हमने पहले देहरादून से फ्लाइट प्रारम्भ की थी, जिसमें बड़ी मुश्किल से यात्री हो पाते थे और आज दो दर्जन से भी अधिक फ्लाइट चल रही हैं। उन्होंने बताय कि पंतनगर एयरपोर्ट को इसी तर्ज प विकसित करने के लिये विस्तारीकरण की कार्रवाई भी चल रही है। उन्होंने कहा कि हवाई सेव प्रारम्भ होने से बड़ी संख्या में यह यात्री आएंगे और आज भी बड़ संख्या में यात्रियों का रिजर्वेशन था हमने इसकी शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क जो सपना है कि जगह-जगह क हवाई सेवा से जोड़ना है, उसी कड़ी में इस जगह को भी हवाई सेवा स जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री औ मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चारधाम यात्र और पर्यटन के क्षेत्र में अनेक कार किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह से विभिन्न जगहों के लिये फ्लाइ प्रारम्भ होने से टैक्सी चालकों औ अन्य बेरोजगारों को रोजगार भ मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह फ्लाइट यहां से प्रतिदिन और निरन्त से चलेगी। उन्होंने कहा कि यह एव बड़ी उपलब्धि है जब हमने एक औ फ्लाइट प्रारम्भ की है। उन्होंने बताय कि दिल्ली से पंतनगर के लिये पहले एक फ्लाइट थी।

बंगालः सिलीगुड़ी से मानव तस्करी गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार, सात दिन की एक कन्या शिशु बरामद, बिहार रवाना हुई पुलिस टीम

सिलीगुड़ी। एजेंसी

सिलीगुड़ी मेट्रोपोलिटन पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने ग्राहक बनकर मानव तस्करी गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसओजी ने माटीगाड़ा थाना पुलिस की मदद से उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के पास गेट नंबर दो से चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से सात दिन की एक कन्या शिशु भी बरामद हुई है। बरामद सात दिन की कन्या शिशु को सीडब्ल्यूसी के माध्यम से उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेज दिया गया है।

गिरफ्तार लोगों के नाम वीना देवी, प्रतीक देबनाथ, गौरी बहादुर छेत्री और प्रभा देवी है। इनमें प्रतीक और गौरी पति-पत्नी हैं। ये दोनों सिलीगुड़ी के सूर्यसेन कॉलोनी के रहने वाले हैं। सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर ने पूरे घटनाक्रम की जांच रिपोर्ट डिटेक्टिव डिपार्टमेंट को सौंप दी है।सिलीगुड़ी के एडीसीपी सुवेंद्र कुमार ने बताया कि चार दिन पहले सिलीगुड़ी पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर में मानव तस्कर गिरोह सक्रिय है जो शिशु को बेचता है। इसी आधार पर एसओजी की एक

टीम ने जांच शुरू की। टीम ने ग्राहक बनकर मानव तस्कर गिरोह से संपर्क किया। संपर्क करने के बाद एजेंटों ने बच्चों की कई तस्वीरें दिखाई। जिसमें छह महीने से लेकर एक साल तक के नवजात शिशु थे। इसमें से एक सात दिन की कन्या शिशु को पसंद किया गया। जिसकी डील एजेंट के साथ साढ़े सात लाख रुपये में फाइनल हुई। सब कुछ फाइनल होने के बाद प्रतीक और गौरी ने शनिवार को उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के सामने टीम को आने को कहा। जिसके बाद टीम एक महिला कांस्टेबल के साथ ग्राहक बनकर उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के सामने पहुंची। इस दौरान एजेंट ने पहले रुपये दिखाने की मांग की। जिसके बाद एजेंट को रुपया भी दिखाया गया। रुपया देखने के बाद गौरी ने वीना को कॉल कर शिशु को लेकर आने को कहा।

एडीसीपी के अनुसार इसके बाद वीना अपने एक साथी प्रभा देवी को लेकर शिशु के साथ विश्वविद्यालय के सामने आ गई। इस दौरान पुलिस ने चारों लोगों को रंगेहाथ पकड़ लिया। वहीं, शिशु को बरामद कर लिया गया। जब आरोपितों को पूछताछ के लिए माटीगाड़ा थाने लाया गया तो सनसनीखेज खुलासा हुआ। टीम को पता चला कि शिशु को बिहार के एक आईवीएफ (न्यूलाईफ फर्टिलिटी सेन्टर) सेंटर से लाया गया है। वीना के खाते से करीब दो लाख रुपये उसके लिए बिहार के एक एजेंट के खाते में ट्रांसफर किए गए थे। जिसके बाद प्रभा देवी बच्ची को बिहार से सिलीगुड़ी ले आई।

शुरुआती पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला कि गौरी सिलीगुड़ी के पाकुरतला मोड़ के पास इलाके में एक आईवीएफ सेंटर की कर्मचारी है।

देश में रूस और चीन जैसा लोकतंत्र लाना चाहती है भाजपाः दिग्विजय सिंह

ग्वालियर। एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने आज केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देश में रूस और चीन की तरह लोकतंत्र लाना चाहते हैं। सिंह ने यहां पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से जुड़े सवालों के संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश में रूस और चीन की तरह लोकतंत्र लाना चाहते हैं। इन दोनों देशों में विपक्ष का कोई भी नेता विरोध करे, तो उसे जेल में डाल दिया जाता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने गांधी का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कोई गलत कार्य नहीं किया है। उन्होंने तो देश हित में सवाल पूछे और उनके खिलाफ कार्रवाई कर दी गयी। उन्हें बोलने से रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। सिंह ने कहा कि कांग्रेस इससे भयभीत होने वाली नहीं है। गांधी के खिलाफ हुयी कार्रवाई के खिलाफ पूरे देश में पार्टी प्रदर्शन कर रही है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि गांधी ने यही तो पूछा है कि देश के उद्योगपति अडानी की कंपनियों में

20 हजार करोड़ रुपए कैसे आ गए।

उन्होंने कहा कि हिडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी समूह के शेयर्स में काफी गिरावट आयी और निवेशकों की बड़ी धनराशि डूब गयी। उन्होंने कहा कि विपक्ष अडानी मामले की जांच के लिए जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के गठन की मांग कर रही है, इसे क्यों नहीं माना जा रहा है।

सिंह ने कहा कि देश में पहले भी विपक्ष की मांग पर जेपीसी का गठन हुआ है। बोफोर्स मामले में भी इस तरह की समिति गठित की गयी थी।

उन्होंने कहा कि सरकार को जेपीसी के गठन की बात मानना चाहिए। उन्होंने मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार पर भ निशाना साधा और कहा कि उसर्क नीतियों के कारण जनता परेशान है सिंह ने सागर जिले की बिजली बिल वसूली संबंधी मामले का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार एक हजार रुप महिलाओं को देने का ढिंढोरा पीट रह है और बिजली बिल वसूली के लिए महिलाओं के साथ कैसा बर्ताव किय जा रहा है, इससे साफ हो गया।

एक अन्य सवाल के जवाब म सिंह ने कहा मध्यप्रदेश में आगाम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस क सरकार बनेगी और मुख्यमंत्र कमलनाथ बनेंगे। सिंह कल रात ट्रे से यहां पहुंचे थे और आज उन्होंने यहां पार्टी से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। आज रात वे यहां से दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

विरासत स्थलों के नाम पंजाब के नायकों के नाम पर रखे जाएंः सरचंद सिंह ख्याला

अमृतसर। एजेंसी

अल्पसंख्यक आयोग के सलाहकार प्रोफेसर सरचंद सिंह ख्याला ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा से पंजाब की सड़कों और अन्य ऐतिहासिक स्थानों के अंग्रेजों के नाम को बदल कर सिख गुरुओं, सिख जनरलों और स्वतंत्रता नायकों के नाम पर रखने के लिए पंजाब सरकार और संबंधित केंद्रीय मंत्रालय से वकालत करने की अपील की है।

प्रो सरचंद सिंह ख्याला ने रविवार को भाजपा कोर कमेटी के सदस्य डॉ. जसविंदर सिंह ढिल्लों, भाजपा प्रवक्ता कुलदीप सिंह कहलों और

वरिष्ठ नेता यादविंदर सिंह बुट्टर के साथ कहा कि पंजाब की भगवंत मान की सरकार पंजाब के इतिहास और विरासत को बचाने के लिए प्रतिबद्ध होने की सिर्फ बातें करती है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में जमीनी स्तर पर कुछ नहीं किया जा रहा है।

उन्होने कहा कि पंजाब की कई सड़कों और ऐतिहासिक स्थानों को आज भी अंग्रेजों के नाम से पुकारा जाता है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान पंजाब और पंजाबियों पर अत्याचार किया। प्रो सरचंद ने कहा कि आजादी के 75 साल बीत जाने और भारत की आर्थिक महाशक्ति, सैन्य ताकत और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नत देश के रूप में पहचान होने के बावजूद ब्रिटिश काल के अंग्रेजों के नाम नहीं बदलना गुलामी की मानसिकता का परिचायक है।

बीआरएस ने कर्नाटक विस चुनाव में देवेगौड़ा की जनत दल (एस) को समर्थन दिया

बेंगलुरु। जनता दल (एस) को एक 'स्वाभाविक सहयोगी' बताते हुए भारत राष्ट्र समिति ने कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनावों में पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली पार्टी को पूर्ण समर्थन देने का फैसला किया है।

बीआरएस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।तेलंगाना की सत्ताधारी पार्टी पहले कल्याण-कर्नाटक (पहले हैदराबाद-कर्नाटक के रूप में जाना जाता था) में कुछ सीटों पर उम्मीदवार खड़े करने पर विचार कर रही थी। पार्टी अपनी विस्तार रणनीतिक के तहत इस पर विचार कर रही थी लेकिन उसने अब यह विचार त्याग दिया है। बीआरएस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ÷जद (एस) हमारी स्वाभाविक सहयोगी है और हम पार्टी के साथ जाएंगे। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं।

हमें विस चुनाव में 200 पार के लक्ष्य को हासिल करना है : जेपी नड्डा

गांधीनगर। एजेंसी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्टेट हैंगर पर उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज विशेष तौर से भारतीय जनता पार्टी के नवीन कार्यालय के भूमि पूजन और कार्यकर्ताओं से मिलने का कार्यक्रम है। आज आप लोगों ने जिस प्रकार भारी उत्साह के साथ स्वागत किया है, वह आने वाले समय का संदेश दिया है। इस उत्साह को लक्ष्य में परिवर्तित कर मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में हमें 200 पार के लक्ष्य को हासिल करना है।

उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लाड़ली बहना योजना प्रारंभ करने पर बधाई देते हुए कहा कि यह योजना बहनों के स्वाभिमान की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि पहले लाड़ली लक्ष्मी और अब लाड़ली बहना योजना बनाकर यह साबित होता है कि हम किस प्रकार से महिलाओं को सशक्त बनाने और हर समाज को ताकत देने के लिए हमारे

कार्यक्रम लक्षित होते हैं।

नड्डा ने कहा कि हमारी सोच अति पिछड़े वर्ग को ताकत देना और मुख्यधारा में शामिल करना है, लेकिन कुछ लोग हैं, जो गाली भी देते हैं और अंहकार भी समाप्त नहीं होता। उनका अंहकार बड़ा और समझदारी छोटी है। उन्होंने कहा कि हमें सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास मंत्र के साथ सभी समाज वर्ग के साथ गांव, गरीब, पीड़ित, शोषित एवं दलित को एक साथ जोड़ना और समानता के साथ आगे लेकर बढ़ते जाना है। मध्यप्रदेश के लाड़ली बहना योजना सहित अन्य सभी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हमारी है।

संघर्ष का शंख फुक गया है, युद्ध के नगाड़े बज गए हैं- शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के जन-जन के मन में बसे हैं, वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष जयप्रकाश नड्डा के कुशल नेतृत्व में देश में एक के बाद एक विधानसभा चुनाव हम लगातार जीतते चले जा रहे हैं। आज पूर्वोत्तर में हर जगह भारतीय जनता पार्टी का परचम लहरा रहा है और कमल खिल रहा है।

हम सभी राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डाजी का मध्यप्रदेश की धरती पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष का शंख फुक गया है, युद्ध के नगाड़े बज गए हैं और हमारे नेतृत्वकर्ता हमारे सेनापति भी आज भोपाल आए हैं। हम सभी कार्यकर्ता संकल्प लें कि पहले 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की रिकॉर्ड तोड़ बहुमत से सरकार बनाएंगे और 2024 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश से सभी 29 लोकसभा सीटें पार्टी जीतेगी।

प्रदेश की धरती पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत - विष्णुदत्त शर्मा

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भोपाल पधारे हैं। भोपाल के सभी कार्यकर्ता आज पलक पावड़े बिछाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत में जुटे हैं। मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं की ओर से मैं मध्यप्रदेश की धरती पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत, वंदन और अभिनंदन करता हूं।

भोपाल पहुंचने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा स्टेट हैंगर से सीधे गांधी नगर मंडल के वार्ड क्रमांक 6 के बूथ क्रमांक 53 पहुंचे और बूथ अध्यक्ष श्यामलाल बलवानी के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। नड्डा ने स्व. ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के पिता रिटायर्ड कर्नल केपी सिंह और उनकी माता उमादेवी सिंह का सम्मान किया। उन्होंने ग्रुप कैप्टन स्वर्गीय वरुण सिंह सभागृह का लोकार्पण किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा के गांधी नगर मंडल के बूथ क्रमांक 53 में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री चौहान, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश सरकार के मंत्री अरविंद भदौरिया, विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

हवाई यात्री को फोन पर धमकी भरा ऑडियो कॉल, केस दर्ज

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक हवाई यात्री को फोन पर धमकी भरा ऑडियो कॉल मिला। रिकॉर्डेड कॉल में खालिस्तानी समर्थकों द्वारा दिल्ली के प्रगति मैदान पर कब्जा करने की बात कही जा रही है। कॉल में यह कहा जा रहा है कि इंडिया के नेशनल फ्लैग को नीचे गिराकर वहां पर खालिस्तान के झंडे लगाएंगे।

हवाई यात्री ने एयरपोर्ट पुलिस को बताया कि खालिस्तानी समर्थक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ भी आपत्तिजनक बातें कर रहे थे। उन्होंने अमृतपाल का भी जिक्र किया। मामले की सूचना के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट हो गई। इस मामले में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट थाने में आईपीसी की धारा 153/153ए और 505 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। डीसीपी एयरपोर्ट ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हवाई यात्री को प्रीरिकॉर्डेड ऑडियो कॉल आया है। इस मामले की जांच स्पेशल सेल को सौंप दी गई है।

दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल की मौत, सर्विस रिवाल्वर से लगी गोली, मामले के जांच जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के विकासपुरी इलाके में तीसरी बटालियन के परिसर में एक हेड कांस्टेबल मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार, मृत हेड कांस्टेबल की पहचान अभय के रूप में हुई है, जो बटालियन परिसर में दोपहर करीब 3:15 बजे मृत पाया गया। उसके सीने में गोली लगने का निशान था। पता चला है कि गोली उसके सर्विस रिवॉल्वर से चली थी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने यह निर्धारित करने के लिए सीआरपीसी की धारा 174 के तहत कार्यवाही शुरू कर दी है कि हेड कांस्टेबल की मौत दुर्घटना थी या आत्महत्या। अभय के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। मृतक की शिनाख्त अभय सिंह के रूप में हुई है। वह मूलतः झुंझुनू के निवासी थे और फिलहाल अपने परिवार के साथ पालम इलाके में रहते थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब सवा तीन बजे परिसर में हवलदार को गोली लगने की जानकारी मिली। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, सहकर्मियों उन्हें पास के अस्पताल में ले जा चुके थे।

जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके सीने में गोली लगी थी। मौके पर छानबीन करने के बाद पुलिस का कहना है कि अभी हवलदार के खुदकुशी करने की बात कहना जल्दबाजी होगी। परिवार वालों ने भी खुदकुशी के किसी कारण का जिक्र नहीं किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है।

उप्र. की छवि औद्योगिक व विकासशील प्रदेश के रूप में स्थापितः बृजेश सिंह

नोएडा। भाजपा सरकार ने 6 साल के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की छवि को एक औद्योगिक और विकासशील प्रदेश के रूप में स्थापित किया है। यूपी में भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरा होने के पर नोएडा के सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण राज्यमंत्री और गौतम बुद्ध नगर के

प्रभारी कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के ग्लोबल समिट में पूरे विश्व से जितना निवेश आया उसका 26 प्रतिशत से ज्यादा अकेले गौतमबुद्ध नगर में आया है। उन्होंने कहा कि यूपी समिट मे आये निवेश से एक करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि गौतमबुद्ध नगर में एक लाख 41 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं उद्यमियों की संस्था सेक्टर-6 स्थित नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन (एनईए) के भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री और गौतमबुद्ध नगर के प्रभारी मंत्री कुँवर बृजेश सिंह ने उद्यमियों के साथ जनपद एवं उद्योगों से संबंधित विषयों पर संवाद किया।

इस दौरान सांसद डॉ महेश शर्मा, एमएलसी श्रीचन्द शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जिलाध्यक्ष विजय भाटी, भाजपा नोएडा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहें।

एम्स में मरीजों के लिए धानुका समूह बनवा रहा है प्रतीक्षालय

नई दिल्ली। धानुका समूह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली में मरीजों की सुविधा के लिए प्रतीक्षालय बनवाने जा रहा है। यह कार्य धानुका समूह अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत कर रहा है। इस प्रतीक्षालय का भूमिपूजन किया। चार महीने में इसका निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रतीक्षालय के भूमि पूजन का कार्य आज एम्स के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के चेयरमैन न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल और धानुका समूह के चेयरमैन आर.जी. अग्रवाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान एम्स के निदेशक डॉ. श्रीनिवास ने कहा कि 'यह आम जन-मानस के लिए सुविधाएं लाने के लिए एक कॉर्पोरेट द्वारा सार्वजनिक संस्थान की मदद करने का एक आदर्श उदाहरण है। एम्स अपने उत्कृष्ट चिकित्सा उपचार और स्वास्थ्य देखभाल के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। यह सुविधा (प्रतीक्षालय) प्रतीक्षारत मरीजों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों व शुभचिंतकों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगी। हम इस पहल के लिए

धानुका ग्रुप को धन्यवाद देते हैं।' समारोह में बोलते हुए धानुका समूह के अध्यक्ष आर.जी. अग्रवाल ने कहा, 'एम्स के साथ साझेदारी करना हमारे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। हम उन लाखों रोगियों के लिए प्रतीक्षालय का निर्माण कर रहे हैं, जो यहां उस भरोसे के साथ आते हैं जोकि इस संस्थान के प्रति भारतीयों और दुनिया भर के लोगों के बीच रहता है। एक बार शुरू होने के बाद यह 24 घंटे चालू रहेगा और बीमार मरीजों और उनके साथ आने वाले लोगों के लिए उपलब्ध रहेगा। 'उल्लेखनीय है कि एम्स परिसर के सामुदायिक केंद्र के पास इस प्रतीक्षालय का निर्माण किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य प्रतीक्षारत रोगियों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों को बड़ी राहत पहुंचाना है। इस कार्य को चार महीने में पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रतीक्षालय में वॉशरूम, पीने के पानी की सुविधा और जलपान के लिए कैंटीन की सुविधा होगी।

दिल्ली के डार्क स्पाट खत्म करेगा नगर निगम, आपराधिक गतिविधियों पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली। महिला सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों को खत्म करने के लिए दिल्ली नगर निगम ने अपने क्षेत्र को डार्क स्पाट मुक्त करने का अभियान शुरू कर दिया है। इसमें नागरिकों की शिकायतों और सुझावों के आधार पर इन डार्क स्पाट को खत्म करने का निर्णय लिया गया है।इसके लिए निगम ने सार्वजनिक सूचना जारी की है। इसके तहत नागरिक ऐसा स्थान,जहां पर स्ट्रीट लाइट ठीक न हो या फिर वहां पर स्ट्रीट लाइट ही न हो तो उसकी शिकायत और सुझाव फोन, वाट्सएप और ई-मेल के माध्यम से निगम तक पहुंचा सकता है। निगम इस आधार पर काम करेगा।वर्ष 2022 में दिल्ली पुलिस की एक बैठक में 900 से अधिक डार्क स्पाट की जानकारी सामने आई थी। समय-समय पर आपराधिक घटनाओं की एक वजह डार्क स्पाट होती है। इसे देखते हुए दिल्ली नगर निगम ने अपने अधीन कार्य करने वाली एजेंसी को इस व्यवस्था को ठीक करने का निर्देश दिया है। इसमें नागरिकों से शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। निगम के एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वकालिक निगमों ने अपने-अपने हिसाब से पारंपरिक लाइटों को एलईडी लाइटों में बदला था। ऐसे में इन लाइटों को ठीक रखने और जरूरी स्थानों पर लाइट

लगाने का कार्य इन्ही एजेंसियों के पास है। नागरिकों की शिकायतों व सुझावों के आधार पर इन डार्क स्पाट को खत्म करने का निर्देश कंपनियों को दिया गया और इसके लिए एक नागरिक अभियान चलाया गया है। नागरिक टोल फ्री नंबर से लेकर, मोबाइन नंबर, वाट्सएप और ई-मेल के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दिल्ली में सात लाख से अधिक हैं स्ट्रीट लाइटें

मुख्य सड़कों से लेकर गली कूचों में निगम की ओर से दिल्ली में सात लाख के करीब एलईडी स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट और सेमी हाईमास्ट लाइटें लगा रखी हैं। इसमें पूर्वी दिल्ली में 1.10 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइटें हैं, जबकि दक्षिणी दिल्ली में 3.56 लाख स्ट्रीट लाइटें हैं। इसकी प्रकार दो लाख के करीब स्ट्रीट लाइटें उत्तरी दिल्ली में हैं।निगम ने 12 में से फिलहाल छह जोन में यह अभियान चलाया है। शेष छह जोन में अगले चरण में डार्क स्पाट मुक्त अभियान को चलाया जाएगा। हालांकि शेष छह जोन में भी डार्क स्पाट को खत्म करने का प्रयास निगम कर रहा है।

यूपी की आईएएस अफ़सर के पति की तलाश में नोएडा में छापे, 3300 करोड़ के घोटाले में शामिल, आईएएस पर भी है सीबीआई केस !

नोएडा। आंध्र प्रदेश की सीआईडी ने यूपी की सीनियर ढ्ढस अपर्णा के पति जीबीएस भास्कर को नोएडा से गिरफ्तार करने की चर्चा है, हालाँकि नोएडा पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी की कोई पुष्टि नहीं की है। उन पर 3300 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप है। यह घोटाला अपर्णा के आंध्र में प्रतिनियुक्ति के दौरान हुआ था। वह उस समय आंध्र प्रदेश में स्किल डेवलपमेंट विभाग में तैनात थीं। आईएएस अधिकारी के पति को गिरफ्तार करने के लिए आंध्र प्रदेश पुलिस की सीआइडी टीम नोएडा पहुंची। स्थानीय पुलिस से संपर्क कर टीम सेक्टर-50 स्थित उस पते पर पहुंची, जहां से आरोपित को गिरफ्तार करना था। मकान में ताला लगा देख टीम बिना किसी को गिरफ्तार किए वापस लौट आई। डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि आंध्रप्रदेश पुलिस की टीम सेक्टर-50 स्थित एक पते से एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने आई थी। हालांकि, वहां की पुलिस नोएडा से किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करके नहीं ले गई है। टीम जब पते पर पहुंची तो वहां पर ताला लगा हुआ था। वैसे नोएडा में भास्कर की गिरफ़्तारी की चर्चा है लेकिन कोई पुष्टि नहीं कर रहा है।

बताया जा रहा है कि सीआइडी की टीम जिस सीनियर आइएएस अधिकारी के पति को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची थी, उस पर 3300 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। सीनियर आईएएस अपर्णा वर्तमान में उत्तर प्रदेश के एनएचएम निदेशक के पद पर तैनात हैं और पूर्व में भी प्रदेश में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं। वह कई साल पहले आंध्र प्रदेश में प्रतिनियुक्ति पर गई थीं। वह उस समय स्किल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में तैनात थीं। आरोप है कि प्रतिनियुक्ति के दौरान अधिकारी ने अपने पति को 3,300 करोड़ रुपये

का ठेका दिलाया था। उनके पति ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे ठेका लिया था। इसी मामले में आंध्र प्रदेश की टीम नोएडा पहुंची थी। मिली जानकारी के मुताबिक आईएएस अपर्णा के पति को 8 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद उन्हें बेल मिली थी। जो 14 दिनों की थी। इसी प्रकरण में दोबारा गिरफ्तारी करने के लिए टीम पहुंची थी। सीनियर आइएएस के पति सीमेंस के पूर्व कर्मचारी रहे हैं। बताया जा रहा है कि सीमेंस इंडस्ट्रियल सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड से सॉफ्टवेयर खरीदा गया।

परियोजना के तहत आपूर्ति किए जाने वाले सॉफ्टवेयर की वास्तविक लागत 58 करोड़ रुपये थी, लेकिन कीमत 3,300 करोड़ रुपये तक बढ़ाई गई। परियोजना रिपोर्ट में हेरफेर किया गया। सुबह से ही आइएएस के पति के गिरफ्तारी की खबरें अलग-अलग ग्रुप पर चलती रहीं, हालांकि देर शाम तक नोएडा पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। आंध्र प्रदेश से आई टीम में कुल चार लोग शामिल थे। टीम दोपहर दो बजे के करीब नोएडा के पते पर पहुंची थी। आरोप है कि अपर्णा ने अपनी आंध्र प्रदेश में नियुक्ति के दौरान अपने पति को 3300 करोड़ का ठेका दिलाया था। अपर्णा के पति ने फर्जी दस्तावेज के सहारे ठेका लिया था। जिस विभाग में पति ने घोटाला किया अपर्णा वहीं तैनात थीं। जांच हुई तो उनके पति शामिल पाए गए। उन पर भ्रष्टाचार का यूपी में भी ष्ब्ठढ्ढ केस चल रहा है।

अपर्णा आंध्र प्रदेश में स्किल डेवलपमेंट में तैनात थीं। आरोप हैं कि अपर्णा के पति ने फर्जी दस्तावेज के सहारे ठेका लिया था। जांच हुई तो ढ्ढस अपर्णा और उनके पति शामिल मिले। अपर्णा जब प्रतिनियुक्ति से लौटीं तो उन्हें यूपी में यूपीपीसीएल का स्ड्ड बनाया था। यहां भी अपर्णा यू पर पेंशन घोटाले की सीबीआई चल रही है। इस मामले में अपर्णा की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

ग्रेटर नोएडा के जेवर में विधायक ने किया परिवहन सेवा का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर आज जेवर विधानसभा की जनता को एक और नायाब तोहफा मिला। यमुना प्राधिकरण के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोगों के लिए बेहतर परिवहन सेवा देने के लिए

बस सेवा का शुभारंभ किया गया। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम चरण में 5 बस चलाकर प्राधिकरण के अधिसूचित ग्रामों व सेक्टरों तथा औद्योगिक क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों और विशेषकर, वह छात्र, जो ग्रेटर नोएडा आदि जगहों पर पढ़ने आते-जाते है, उन्हें ध्यान में रखकर, इन बसों का रूट बनाया गया है। विधायक ने बताया कि इन बसों के चलने से दैनिक यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। परिवहन बस सेवा के शुभारंभ के दौरान यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया, जीएम केके सिंह, डीजीएम एके सिंह, राजवीर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नोएडा में बढ़ रही है साइबर ठगी की वारदातें, रिटायर्ड कर्नल से 15 लाख की ठगी, 3 अन्य को भी लूटा !

नोएडा । अज्ञात साइबर ठगों ने एक रिटायर्ड कर्नल को अपने जाल में फंसा कर वीडियो लाइक करने के नाम पर घर बैठे लाखों रुपए कमाने का लोभ दिया तथा उनसे 15 लाख रुपए की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर सेक्टर-36 स्थित साइबर क्राइम थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइबरक्राइम थाने की प्रभारी निरीक्षक सुश्री रीता यादव ने बताया कि सेक्टर-37 में रहने वाले रिटायर्ड कर्नल सिन एंग्लो ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्हें कुछ समय पूर्व एक व्हाट्सएप से मैसेज आया। व्हाट्सएप पर दीपाली शर्मा आदि ने उनसे संपर्क किया तथा कहा कि वह एक मीडिया हाउस से बोल रहे हैं। उन्हें यू-ट्यूब पर वीडियो लाइक करना है। वीडियो लाइक करने पर उन्हें पैसे मिलेंगे।

उनकी बातों पर विश्वास करके उन्होंने उनके साथ काम करना शुरू कर दिया। उनका आरोप है कि साइबर ठगों ने अपने जाल में फंसाकर उनसे विभिन्न बार में करीब 15 लाख रुपए की ठगी कर ली। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला के खाते से निकाले 3 लाख 20 हजार

ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र के गौर सिटी सोसायटी में रहने वाली जैसमिन कौर ने थाना बिसरख में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात साइबर ठग ने धोखाधड़ी कर उनके खाते से 3 लाख 20 हजार रुपया ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिया है। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि गौर सिटी में ही रहने वाले सुरेंद्र कुमार सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात

अभियुक्तों ने उनके बैंक से ऑनलाइन 3 लाख 70 हजार रुपया ट्रांसफर कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों मामले की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पति से लिया उधार लौटाने के नाम पर की ठगी

नोएडा के ही थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-75 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाली महिला को अज्ञात साइबर ठगों ने फोन करके कहा कि वह उनके पति के दोस्त बोल रहे हैं। उनके पति से उन्होंने 47 हजार रुपए उधार लिया था। उसे लौटाना है। महिला उनकी बात में आ गई तथा अपना खाता नंबर उनको दे दिया। ठगों ने पहले 40 फिर महिला के खाते में 70 हजार रुपए ट्रांसफर करने का स्क्रीनशॉट भेजा, तथा कहा कि गलती से उनके खाते में ज्यादा पैसे चले गए हैं। वह उनके पैसे वापस कर दे। ठगों ने अपने झांसे में लेकर महिला से 63 हजार रुपए वापस करवाया। बाद में उन्हें पता चला कि ठगो ने उनके खाते में पैसे ट्रांसफर नहीं किए थे, वे फर्जी स्क्रीनशॉट भेज रहे थे। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता श्रीमती नेहा जैन की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एलजी और दिल्ली सरकार में फिर नोकझोंक, हम ये नहीं होने देंगे

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी के बीच एक बार फिर जुबानी जंग तेज हो गई है।दिल्ली के वरिष्ठतम नौकरशाह ने एक रिपोर्ट के जरिए बताया कि डीईआरसी के निर्देशों का पालन न होने से सरकार को 300 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। सरकार इस मसले पर ध्यान दे तो नुकसान से बचा जा सकता है। इस रिपोर्ट को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को जल्द स्पष्टीकरण देने को कहा है। एलजी वीके सक्सेना की इस पहल को सरकार और राजनिवास के बीच पहले से जारी तनातनी को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने एलजी के ताजा रुख पर पलटवार किया है। पहले दिल्ली के बिजली मंत्री आतिशी ने विधानसभा में इस मसले को उठाया और शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीटकर साफ कर दिया कि अगर ये बिजली सब्सिडी को खत्म करने की साजिश है तो हम ऐसा नहीं होने देंगे।

दिल्ली सरकार के दो प्रमुख नेताओं के बयान के बाद बीजेपी ने भी केजरीवाल सरकार पर हमला बोल दिया है।

दरअसल, दिल्ली के मुख्य सचिव ने सीएम अरविंद केजरीवाल और एलजी विनय सक्सेना हाल ही में एक रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि ऊर्जा विभाग निजी बिजली कंपनियों को दी जाने वाली सब्सिडी पर डीईआरसी की सलाह का पालन नहीं कर रहा है। अगर डीईआरसी के निर्देश का पालन किया जाता तो दिल्ली सरकार के 300 करोड़ रुपए बचेंगे। तत्कालीन उर्जा मंत्री मनीष सिसोदिया ने डीईआरसी के निर्देशों का पालन नहीं करने का फैसला किया और निजी कंपनियों को अतिरिक्त 300 करोड़ रुपए का भुगतान करना जारी रखा।

मुख्य सचिव की रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए एलजी वीके सक्सेना ने अपने नोट में उनसे डीईआरसी के गाइडलाइन के सुझावों का जिक्र करते हुए कहा कि इस गंभीर मसले को वो सीएम अरविंद केजरीवाल के संज्ञान में लाएं। एलजी की ये नोटिंग दिल्ली सरकार को अच्छी नहीं लगी।

यही वजह है कि बिजली सब्सिडी समाप्त होने को लेकर चर्चा चरम पर है। एक दिन पहले सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपना स्टैंड साफ करते हुए कहा कि अगर बिजली सब्सिडी समाप्त करने की यह साजिश है तो हमारी सरकार इसे स्वीकार नहीं करेगी।

डिप्रेशन में दूसरी मंजिल से कूद गया विदेशी शख्स, माता-पिता की मौत से सदमे में था नीनोजुओ

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में एक विदेशी का घर की दूसरी मंजिल से कूदते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो 18 मार्च का बताया जा रहा है। दूसरी मंजिल से कूदने के बाद विदेशी घायल हो गया। वहीं घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल विदेशी को उपचार के लिए संजय गांधी मेमरियल अस्पताल में भर्ती कराया। विदेशी की पहचान 37 साल के नीनोजुओ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि एक हादसे में उसके माता-पिता की मौत हो गई इसके बाद वो सदमे में चला गया और डिप्रेशन में आकर दूसरी मंजिल से कूद गया। इस पूरे मामले में पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं जिन्होंने घायल नीनोजुओ के बयान की पुष्टि की है।

गाजियाबाद में दो चौकी इंचार्ज सस्पेंड, थानेदार का तबादला फिर भी नहीं खुल रही लूट

गाजियाबादा। ट्रांस हिंडन में ताबड़तोड़ लूट की वारदातें हो रही हैं। बदमाश महिलाओं को अपना निशाना बना रहे हैं। लुटेरों पर अंकुश नहीं लगा पाने पर तत्कालीन डीसीपी ट्रांस हिंडन ने प्रह्लादगढ़ी और वैशाली पुलिस चौकी प्रभारियों को सस्पेंड कर दिया गया।हाल में कौशांबी थाना प्रभारी का भी तबादला कर दिया। इसके बाद भी ट्रांस हिंडन में हुई एक भी लूट की वारदात का पुलिस राजफाश नहीं कर सकी है। इससे पुलिस की कार्यशैली पर ही सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाने चौकी के पास महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

सीसीटीवी कैमरों से भी नहीं हो सकी पहचान

वसुंधरा सेक्टर 18 की एपेक्स दी फ्लोरस सोसायटी में केंद्रीय मंत्री के ओएसडी की पत्नी प्रियंका से बदमाश दिनदहाड़े चेन और मंगलसूत्र लूटकर फरार हो गए थे। वैशाली में शिक्षिका निधि से बाइक सवार दो बदमाशों ने आइफोन लूट लिया था। मामला संज्ञान में आने पर तत्कालीन डीसीपी ट्रांस हिंडन ने प्रह्लादगढ़ी और वैशाली चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद भी क्षेत्र में लूट की कई वारदातें हुई।

कौशांबी थाना क्षेत्र में भी वारदात नहीं थमने पर कौशांबी थाना प्रभारी का तबादला कर दिया गया। इसके बाद भी बदमाशों पर अंकुश नहीं लग रहा है। लोगों के साथ हुई लूट की अधिकांश वारदातें

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में कैद भी हो गई। इसके बाद भी पुलिस बदमाशों तक नहीं पहुंच पाई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस के अधिकारियों को पुलिस के बजाये बदमाशों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

अपराध पर अंकुश लग सके। पुलिस कहती है क्यों पहनकर निकलते हो चेन स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई मामले ऐसे सामने आए हैं कि पीड़ित से लूट की सूचना के बाद मौके पर पहुंचने वाले पुलिसकर्मी उन्हें ही नसीहत देते हैं। लुटेरों को पड़ने के बजाये लोगों को ही चेन, मंगलसूत्र नहीं पहनने तक की सलाह दी जाती है। मोबाइल लेकर चलने वाले राहगीरों को जेब में रखने को बोलते हैं। लगातार हो रही लूट की वारदात से लोगों में डर व्याप्त है। लोगों का कहना है कि नसीहत देने के बजाये पुलिस को बदमाशों पर अंकुश लगाना चाहिए। ट्रांस हिंडन पुलिस उपायुक्त विवेक चंद यादव ने कहा कि पुलिस की टीम राजफाश करने के लिए काम कर रही है। मैं स्वयं सभी लूट और स्नैचिंग की घटनाओं की चल रही जांच की मानिटरिंग कर रहा हूं। कई सुराग हाथ लगे हैं जल्द बदमाशों को पकड़ा जाएगा।

हाल में लूट की वारदात

19 मार्च को खोड़ा थाने के पास पैट व्यापारी से चेन लूट

16 मार्च को वसुंधरा सेक्टर 12 में महिला से मोबाइल लूटा

15 मार्च को शालीमार गार्डन में खाने खाने जा रहे युवक से मोबाइल लूट

13 मार्च को इंदिरापुरम में युवक से मोबाइल लूट

चार मार्च को वसुंधरा सेक्टर 18 में ओएसडी की पत्नी से चेन-मंगलसूत्र लूटा

तीन मार्च को वैशाली सेक्टर दो में शिक्षिका से आइफोन लूटा

समय पर पूरा हो जाए चिराग दिल्ली फ्लाईओवर के मरम्मत का काम, आतिशी का अधिकारियों को आदेश

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने हफ्ते भर बाद सुबह पुनः चिराग दिल्ली फ्लाईओवर का पीडब्ल्यूडी व दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री ने पाया कि बारिश के कारण मरम्मत का काम टाइमलाइन से दो दिन पीछे चल रहा है।

इस पर पीडब्ल्यूडी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक अप्रैल तक फ्लाईओवर का पहला हिस्सा हर हालत में यातायात के लिए शुरू हो जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि फ्लाईओवर के दूसरे हिस्से के मरम्मत के दौरान श्रमिकों और मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि काम समय से पूरा हो और लोगों को समस्या का सामना न करना पड़े। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि चिराग दिल्ली फ्लाईओवर के मरम्मत के कार्य पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं नजर बनाए हुए हैं और इसकी मानिटरिंग कर रहे हैं। दिल्ली के लोगों को जाम से मुक्ति दिलाना उनकी प्राथमिकता है। इस दिशा में पीडब्ल्यूडी तेजी से काम कर रही है ताकि चिराग दिल्ली फ्लाईओवर के मरम्मत का काम समय के साथ पूरा हो सके और लोगों को जाम से निजात मिल सके।